वर्ष : 34 | अंक : 225 | मुंबई, बुधवार, 22 अक्टूबर 2025 | RNI: MAHHIN/49994/91 | मूल्य : 3 रुपए | epaper.dobajedopahar.com | संपादक : अरुण लाल | संरक्षक : एन. के. पुरोहित

DBD दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

5 करोड़ फर्जी अकाउंट

40 हजार सिम कार्ड जब्त

साइबर ठगों के महा नेटवर्क का भंडाफोड़

26 लोकेशन पर छापेमारी

एजेंसी । नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसियों ने ऑपरेशन SIMCARTEL के तहत लातविया में साइबर ठगों का बड़ा नेटवर्क ध्वस्त किया गया है। इसमें पांच आरोपियों की गिरफ्तारी के साथ 40 हजार सिम कार्ड जब्त किए गए हैं। लातविया पुलिस और यूरोपीय एजेंसियों की संयुक्त कार्रवाई में एक बड़े साइबर अपराध गिरोह का पर्दाफाश हुआ। इस ऑपरेशन का नाम 'SIMCARTEL' रखा गया था। इसमें करीब पांच करोड़ फर्जी ऑनलाइन अकाउंट्स का पता चला है, जिनके जरिये ये पूरा खेल खेला जा रहा था।

करोड़ों यूरो की साइबर ठगी का खुलासा

ऑस्ट्रिया, एस्टोनिया और लातविया की जांच एजेंसियों ने पाया कि यह नेटवर्क यूरोप के हजारों लोगों को निशाना बना रहा था। सिर्फ ऑस्ट्रिया में ही करीब 4.5 मिलियन यूरो (लगभग 40 करोड़) की ठगी की गई, जबकि लातविया में 4.2 लाख यूरो (लगभग 3.7 करोड़) का नुकसान हुआ। अब तक इस गिरोह से जुड़ी 1700 साइबर फ्रॉड की घटनाएं ऑस्ट्रिया में और 1500 मामले लातविया में सामने आए हैं।

कैसे काम करता था साइबर ठगी गिरोह?

यह गिरोह एक अत्याधुनिक ऑनलाइन सर्विस चला रहा था जो 80 से ज्यादा देशों के नाम पर रजिस्टर्ड फोन नंबर किराए पर देता था। इन नंबरों का इस्तेमाल अपराधी सोशल मीडिया, फर्जी वेबसाइट्स और बैंकिंग प्लेटफॉर्म्स पर नकली अकाउंट बनाने के लिए करते थे। इससे वे अपनी असली पहचान और लोकेशन छिपाकर ठगी, हैकिंग, और दूसरे अपराधों को अंजाम देते थे।

हजारों सिम कार्ड की खरीद

गिरोह ने अपने आप को कानूनी सर्विस की तरह पेश किया था। उनकी वेबसाइट बेहद पेशेवर तरीके से डिजाइन की गई थी। हजारों सिम कार्ड अलग-अलग देशों से खरीदकर उन्हें किराए पर दिया जाता था ताकि अपराधी कहीं से भी नकली अकाउंट बना सकें। जांच में यह भी सामने आया कि इस नेटवर्क का एक मुख्य सदस्य पहले से ही एस्टोनिया में आगजनी और जबरन वसूली के मामले में जांच के दायरे में था।

भारतीय लिंक की जांच जारी

कार्रवाई के दौरान 5 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया गया और 1,200 सिम बॉक्स डिवाइस व करीब 40,000 सक्रिय सिम कार्ड जब्त किए गए। इस 5 सर्वर, 4 लग्जरी कारें, करीब 4.3 लाख यूरो की बैंक रकम और 3.3 लाख अमेरिकी डॉलर की क्रिप्टो संपत्ति भी फ्रीज की गई।

ठगी के कई तरीके

- इस गिरोह की मदद से अपराधियों ने तरह-तरह के ऑनलाइन फ्रॉड किए
- ऑनलाइन सेकंड हैंड मार्केट ठगी: फर्जी अकाउंट बनाकर लोगों से पैसे ऐंठे जाते थे।
- डॉटर-सन स्कैम(बेटा-बेटी बनकर ठगी): व्हाट्सएप पर खुद को पीड़ित का बेटा या बेटी बताकर नया नंबर और तुरंत मदद का झांसा देकर पैसे ठगे जाते थे।
- निवेश (इन्वेस्टमेंट) फ्रॉड: कॉल के जरिए निवेश के नाम पर बड़ी रकम हड़प ली जाती थी।
- फर्जी शॉपिंग साइट्स और बैंक वेबसाइट्स: किराए के नंबरों से झूठे कस्टमर केयर या कानूनी पते दिखाकर लोगों को फंसाया जाता था।
- फर्जी पुलिस अधिकारी बनकर ठगी: खासतौर पर रूसी भाषी लोगों को नकली पुलिस आईडी दिखाकर ठगा जाता था, कई बार अपराधी पीड़ितों से रकम खुद जाकर वसूलते थे।

यूरोप पुलिस की प्रमुख भूमिका

इस पूरे ऑपरेशन में Europol (यूरोप की पुलिस एजेंसी) और Eurojust ने अहम भूमिका निभाई। ऑस्ट्रिया, एस्टोनिया, लातविया और फिनलैंड की एजेंसियों ने मिलकर 26 जगह छापेमारी की। Europol की टीम रीगा (लातविया की राजधानी) में मौजूद रही और मौके पर फॉरेंसिक और तकनीकी सहायता दी।

वेबसाइट पर एक्शन

कार्रवाई के दौरान अपराधियों की वेबसाइट्स gogetsms.com और apisim.com को भी बंद कर लिया गया और उन पर अब पुलिस का संदेश (सप्लैश पेज) दिखाया जा रहा है. अभी तक की जांच में यह खुलासा हुआ है कि इस नेटवर्क की मदद से करीब 4.9 करोड़ फर्जी ऑनलाइन अकाउंट बनाए गए थे. इन अकाउंट्स से हुई ठगी का अनुमान कई मिलियन यूरो तक पहुंचता है।

EMPACT की भूमिका

यह कार्रवाई EMPACT (European Multidisciplinary Platform Against Criminal Threats) के तहत की गई। यह प्लेटफॉर्म यूरोपीय देशों की एजेंसियों को संगठित अपराध और अंतरराष्ट्रीय साइबर ठगी से निपटने में सहयोग देता है। SIMCARTELऑपरेशन यूरोप की सबसे बड़ी साइबर ठगी जांचों में से एक मानी जा रही है। यूरोपीय एजेंसियां अब यह पता लगाने में जुटी हैं कि इस नेटवर्क के क्लाइंट कौन थे और क्या भारत सहित दूसरे देशों में भी इसका इस्तेमाल साइबर अपराधों के लिए हुआ था।

खबर संक्षेप

फसल क्षतिपूर्ति के लिए 648 करोड़ रुपये मंजूर

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने इस साल मानसून के दौरान अत्यधिक बारिश और बाढ़ से प्रभावित किसानों को राहत देने के लिए 648.15 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। राहत एवं पुनर्वास मंत्री मकरंद जाधव-पाटिल ने मंगलवार को कहा कि एक विशेष उपाय के तहत राहत सीमा को भी दो हेक्टेयर से बढ़ाकर तीन हेक्टेयर कर दिया गया है। उन्होंने बयान में कहा कि इस निर्णय का उद्देश्य वर्षा प्रभावित किसानों को तत्काल वित्तीय सहायता देना है और इस संबंध में एक सरकारी प्रस्ताव (जीआर) जारी कर दिया गया है। जाधव-पाटिल ने कहा कि अब तक राहत एवं पुनर्वास विभाग ने चालू खरीफ सत्र के दौरान प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित किसानों की सहायता के लिए लगभग 8,139 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। उन्होंने बताया कि इस फैसले से 6,12,177 किसानों को लाभ होगा और 6,56,310.83 हेक्टेयर प्रभावित फसल क्षेत्र को इसके दायरे में शामिल किया जाएगा।

पूर्व केंद्रीय मंत्री योगेन्द्र मकवाना का निधन

अहमदाबाद। पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस नेता योगेन्द्र मकवाना का 92 वर्ष की आयु में अहमदाबाद में निधन हो गया। पार्टी प्रवक्ता हिरेन बैंकर ने बताया कि मकवाना लंबे समय से उम्र संबंधी बीमारियों से जूझ रहे थे। उन्होंने इंदिरा गांधी और राजीव गांधी के मंत्रिमंडल में 1980 से 1988 तक कार्य किया था। वे 1973 से 1989 तक राज्यसभा सदस्य और कांग्रेस संसदीय दल में उप मुख्य सचेतक भी रहे।

जल जीवन मिशन भ्रष्टाचार को लेकर एक्शन में केंद्र सरकार

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को उन ठेकेदारों और थर्ड पार्टी निरीक्षण एजेंसियों का विवरण साझा करने का निर्देश दिया है, जिन पर जल जीवन मिशन (जेजेएम) के तहत जुर्माना लगाया गया है। सूत्रों ने बताया कि यह निर्देश जल शक्ति मंत्रालय के तहत पेयजल और स्वच्छता विभाग (डीडीडब्ल्यूएस) के निर्देश का हिस्सा है, जिसमें मुख्य सचिवों से व्यापक रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया है। जिन ठेकेदारों और निरीक्षण एजेंसियों के खिलाफ जुर्माना लगाया गया है, ब्लैक लिस्ट में डालने के आदेश जारी किए गए हैं या जेजेएम के तहत अनियमितताओं के लिए जुर्माना लगाया गया है, उन्हें सूची में शामिलकिया जाएगा। डीडीडब्ल्यूएस ने सार्वजनिक स्वास्थ्य इंजीनियरिंग विभाग (पीएचईडी) के अधिकारियों के खिलाफ की गई कार्रवाई की जानकारी भी मांगी है।

शुभ दीपावली
सभी प्रिय पाठकों एवं विज्ञापन दाताओं को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

अवकाश सूचना
दिनांक 22 अक्टूबर, बुधवार को दीपावली के उपलक्ष्य में DBD दो बजे दोपहर कार्यालय में अवकाश रहेगा, अतः अगला अंक 24 अक्टूबर, शुक्रवार को प्रकाशित होगा। - संपादक

बिहार के बाद महाराष्ट्र में इंडी गठबंधन में दरार!

कांग्रेस ने राज ठाकरे से बनाई दूरी, शिवसेना ने दी चेतावनी

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

बिहार के बाद अब महाराष्ट्र में INDI गठबंधन में मतभेद उभरते दिख रहे हैं। इस बार विवाद की वजह है कांग्रेस का मनसे प्रमुख राज ठाकरे से दूरी बनाना। कांग्रेस ने साफ कहा है कि वह आने वाले मुंबई नगर निगम चुनावों में राज ठाकरे या उद्धव ठाकरे के साथ मिलकर चुनाव नहीं लड़ेगी।

कांग्रेस नेता और मुंबई के पूर्व अध्यक्ष भाई जगताप ने मंगलवार को कहा कि कांग्रेस राज ठाकरे के साथ किसी भी तरह का गठबंधन नहीं करेगी। हम बीएमसी चुनाव अपने दम पर लड़ेंगे। उन्होंने बताया कि इस पर चर्चा पार्टी के नए बने राज्यस्तरीय समिति की बैठक में हुई, जिसमें महाराष्ट्र प्रभारी रमेश चेन्नीथला भी मौजूद थे। हालांकि, पार्टी की ओर से अभी औपचारिक घोषणा नहीं की गई है।

शिवसेना (उद्धव गुट) की प्रतिक्रिया

कांग्रेस के इस बयान पर शिवसेना (उद्धव गुट) के नेता आनंद दुबे ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि गठबंधन पर फैसला राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे और उद्धव ठाकरे मिलकर करेंगे। दुबे ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि हमें चुनौती मत दो। हम शिवसेना हैं, पिछली बार भी हमने अकेले चुनाव लड़ा और भाजपा को हराया था। हम अपने सहयोगियों का सम्मान करते हैं, लेकिन जरूरत पड़ी तो अकेले मैदान में उतरने को तैयार हैं।

राज ठाकरे को लेकर बढ़ी राजनीति

कांग्रेस और उद्धव ठाकरे की पार्टी 2019 से सहयोगी हैं। यह गठबंधन शरद पवार की पहल पर बना था और कई उतार-चढ़ाव के बावजूद अब तक कायम है। लेकिन उद्धव ठाकरे के अपने चचेरे भाई राज ठाकरे के करीब आने की खबरों ने नई मुश्किल खड़ी कर दी है। दोनों ठाकरे गुट चाहते हैं कि मुंबई की समृद्ध बीएमसी चुनावों से पहले एक समझ बन जाए। फिलहाल इस पर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) की प्रतिक्रिया का इंतजार है। उधर, बिहार में भी INDI गठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर खींचतान जारी है।

नागालैंड में बड़ा राजनीतिक फेरबदल

एनडीपीपी और एनपीएफ ने किया विलय

एजेंसी । कोहिमा

नागालैंड की राजनीति में मंगलवार को बड़ा परिवर्तन देखने को मिला जब नेशनलिस्ट डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (एनडीपीपी) का औपचारिक तौर पर नागा पीपल्स फ्रंट (एनपीएफ) में विलय हो गया। कोहिमा के इंदिरा गांधी स्टेडियम में आयोजित एनपीएफ के आम सम्मेलन में इस ऐतिहासिक निर्णय को सर्वसम्मति से मंजूरी दी गई। मौके पर करीब 5,000 सक्रिय सदस्य मौजूद रहे। एनपीएफ के सम्मेलन में एनडीपीपी के विलय को आधिकारिक रूप से स्वीकृति दी गई। यह फैसला पार्टी की सेंट्रल ऑफिस बेयरर्स और सेंट्रल एक्जीक्यूटिव काउंसिल (सीईसी) की 18 अक्टूबर को हुई बैठक में पारित प्रस्ताव की पुष्टि था।

रियो के नेतृत्व में एकजुटता पर जोर

सम्मेलन ने रियो के नेतृत्व पर पूर्ण विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी अगुवाई में पार्टी राज्य में विकास और स्थायी शांति के नए युग की शुरुआत करेगी। प्रस्तावों में एनडीपीपी अध्यक्ष चिंगवांग कोन्याक के ऐतिहासिक निर्णय की सराहना की गई, जिन्होंने एनपीएफ के साथ एकजुटता का मार्ग प्रशस्त किया। पार्टी ने इसे क्षेत्रीय राजनीति को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम बताया।

'नाबालिग के प्राइवेट पार्ट में मामूली पेनिट्रेशन भी बलात्कार'

ऐसे मामले में सहमति का कोई मतलब नहीं: हाईकोर्ट

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर खंडपीठ ने वर्धा जिले के हिंगनघाट के 38 वर्षीय ड्राइवर की अपील खारिज करते हुए दो नाबालिग लड़कियों (5 और 6 वर्ष) के साथ गंभीर यौन हमले के प्रयास के लिए उसकी 10 साल की सश्रम कारावास और 50,000 रुपये के जुर्माने की सजा बरकरार रखी है।

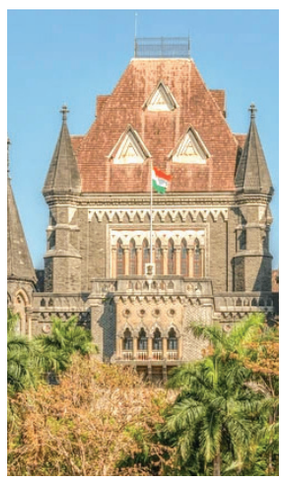

POCSO एक्ट के तहत कानूनी सिद्धांत

जस्टिस निवेदिता मेहता ने फैसले में स्पष्ट किया कि नाबालिग के मामले में सहमति कानून में अप्रासंगिक है। कानून यह मानता है कि किसी नाबालिग के साथ मामूली प्रवेश (Slightest Penetration) भी बलात्कार या गंभीर यौन हमला माना जाता है।

क्या है मामला?

यह मामला 19 फरवरी 2014 का है। आरोपी ने कथित रूप से दोनों नाबालिग लड़कियों को अमरूद का लालच देकर, अश्लील वीडियो दिखाकर और यौन हमला करने की कोशिश की थी। अभियोजन पक्ष ने आरोपी को POCSO एक्ट की धारा 6 और आईपीसी की धारा 376(2)(i) के तहत धारा 511 (बलात्कार का प्रयास) के तहत दोषी ठहराया था। हाईकोर्ट ने पीड़िताओं और उनकी मां के सुसंगत और विश्वसनीय बयानों के साथ-साथ मेडिकल और फोरेंसिक साक्ष्यों को आधार मानकर निचली अदालत की सजा को बरकरार रखा। जस्टिस मेहता ने अपने फैसले में कहा कि आरोपी द्वारा पीड़िता के निजी अंगों में किसी भी अंग का प्रवेश ही बलात्कार या गंभीर यौन हमला पूरा माना जाएगा।

बीएमसी चुनाव से पहले एनसीपी को झटका!

तीन पूर्व एमएलए के बीजेपी में शामिल होने की अटकलें

डीबीडी संवाददाता । मुंबई/सोलापुर

महाराष्ट्र के सोलापुर जिले में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार गुट) के तीन पूर्व विधायकों – राजन पाटिल, यशवंत माने और माढा विधायक बबनराव शिंदे के पुत्र रणजीतसिंह शिंदे – की भाजपा में शामिल होने की अटकलों ने पार्टी में बेचैनी पैदा कर दी है। तीनों नेताओं की मुंबई में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की तस्वीर वायरल होने के बाद यह चर्चा तेज़ हो गई।

पार्टी में बने रहने के लिए प्रयास

पवार खेमे ने सोलापुर में संभावित नुकसान की भरपाई के लिए राज्य के कृषि मंत्री और पार्टी नेता दत्तात्रेय भरणे को जिले के प्रमुख नेताओं से चर्चा करने और उन्हें पार्टी में बने रहने के लिए मनाने के लिए भेजा है।

राजनीतिक हलकों की प्रतिक्रिया

शिवसेना (ठाकरे गुट) के नेता संजय राउत ने इस स्थिति पर टिप्पणी करते हुए कहा कि मंत्री दत्तात्रेय भरणे का सोलापुर दौरा महत्वपूर्ण माना जा रहा है। वहीं, भाजपा के सोलापुर संरक्षक मंत्री जयकुमार गोरे ने इसे 'ऑपरेशन लोटस' की शुरुआत बताया और संकेत दिया।

शनिवारवाड़ा पर राडा

महिलाओं के नमाज अदा करने का वीडियो वायरल, एफआईआर दर्ज

हिंदू संगठनों ने किया था शुद्धिकरण

एजेंसी । पुणे

पुणे के ऐतिहासिक शनिवारवाड़ा परिसर में तीन महिलाओं के नमाज पढ़ने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। पुलिस ने इस मामले में तीन अज्ञात महिलाओं के खिलाफ FIR दर्ज की है। पुलिस के अनुसार, यह घटना 18 अक्टूबर दोपहर करीब 1:45 बजे की है। इस मामले में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) के अधिकारी ने शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद FIR दर्ज की गई।

शनिवारवाड़ा परिसर में सुरक्षा बढ़ी

वीडियो सामने आने के बाद भाजपा की राज्यसभा सांसद मेधा कुलकर्णी और हिंदू संगठनों के सदस्यों ने 19 अक्टूबर को शनिवारवाड़ा के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने उस स्थान पर 'शुद्धिकरण पूजा' भी की, जहां नमाज पढ़ी गई थी। इस घटना के बाद पुलिस ने शनिवारवाड़ा परिसर में सुरक्षा बढ़ा दी है। पुलिस ने बताया, FIR में हमने प्राचीन स्मारक एवं पुरातत्व स्थल एवं अवशेष (AMASR) नियम, 1959 (AMASR) नियमों के तहत धाराएं लगाई हैं।

DBD डीबीडी इंफो

पेशवा शक्ति का केंद्र था शनिवारवाड़ा

शनिवारवाड़ा पेशवा बाजीराव का आधिकारिक निवास और पेशवा शक्ति का केंद्र था। इसका निर्माण पेशवा बाजीराव प्रथम ने 1736 में कराया था। यह 13 मंजिला महल था। 1828 में यहां आग लग गई जिसके बाद यह महल नष्ट हो गया अब सिर्फ खंडहर ही शेष है जो मराठों के गौरव का प्रतीक है। पेशवा बाजीराव प्रथम छत्रपति शाहूजी महाराज के प्रधानमंत्री थे। उनका जन्म 1700 में हुआ था और 1740 में उनका निधन हो गया था। वे 1720 से 1740 तक छत्रपति शाहूजी महाराज के प्रधानमंत्री रहे थे।

सियासी बवाल बढ़ा

एक भाजपा सांसद ने गोमूत्र छिड़कर नमाज पढ़े जानेवाले स्थल की शुद्धि की, तो समाजवादी पार्टी के नेता अबू आसिम आजमी और राकांपा के नेताओं ने उनपर कार्रवाई की मांग शुरू कर दी है। जबकि राज्य के भाजपा मंत्री नीतेश राणे ने नमाज की घटना के विरोध में हाजी अली में हनुमान चालीसा पढ़ने की धमकी दे दी है। समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अबू आसिम आजमी ने भी मेधा कुलकर्णी का विरोध करते हुए कहा है कि एक इंसान नमाज पढ़ रहा है। पूजा कर रहा है। उसके साथ भाजपा के लोगों द्वारा यह बदतमीजी हो रही है। यह बर्दाश्त करने के काबिल नहीं है। उन्होंने कहा कि मैं भाजपा सांसद से कहना चाहता हूं कि अल्लाह से डर। अल्लाह का कहर टूटेगा तो पता नहीं चलेगा कि कहां चले गए। विपक्षी दल ही नहीं, राज्य की सत्ता में भाजपा की साझीदार राकांपा (अजीत) के नेता भी इस मुद्दे पर खुलकर भाजपा सांसद का विरोध कर रहे हैं।

अभूतपूर्व उपलब्धि | **चीन ने तैनात कर दिया खतरनाक 'गोल्डन डोम'**

डोनाल्ड ट्रंप का सपना चकनाचूर, चीन बना सुपरपावर

एजेंसी । बीजिंग

अमेरिका महज सपने बुन रहा था, लेकिन चीन ने उसे हकीकत का जामा पहना दिया। यूं कहें तो पूरी दुनिया ने एक ऐसी अभूतपूर्व शक्ति परिवर्तन का साक्ष्य देखा, जिसकी कोई कल्पना भी न कर सकता। दशकों से अमेरिका यह सोच रहा था कि वह पृथ्वी को मिसाइल रक्षा के एक नए युग में ले जाएगा। मानवता को तबाही से बचाने वाला एक अंतरिक्ष-आधारित किलेबंदी तैयार करेगा। लेकिन वाशिंगटन अभी-अभी योजनाएं गढ़ ही रहा था कि बीजिंग ने इसे साकार कर दिखाया। और दुनिया को स्पष्ट संदेश दे दिया कि तय कर लो, सुपरपावर कौन है?

नानजिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट की अभूतपूर्व उपलब्धि

चीन के प्रमुख रक्षा अनुसंधान संस्थान, नानजिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स टेक्नोलॉजी में ली जुदोंग की टीम के अनुसार, यह सफलता महज मिसाइलों या उपग्रहों में नहीं, बल्कि डेटा प्रसंस्करण की क्रांति में छिपी है। उनका सिस्टम पृथ्वी के किसी भी भाग से एक साथ चीन पर दागी गईं 1000 मिसाइलों को ट्रैक कर सकता है। अंतरिक्ष, समुद्र, वायु और भूमि पर फैले सेंसरों के विशाल जाल के सहारे, यह वास्तविक समय में खतरों को संग्रहित, विश्लेषित और प्राथमिकता निर्धारित करता है। हर प्रक्षेप पथ, हर वारहेड, हर छलावे की पहचान होती है, उसे सूचीबद्ध किया जाता है और प्रभाव से पहले ही केंद्रीय कमांड को सूचना भेजी जाती है।

अमेरिका की अधूरी योजना, चीन का पूरा मॉडल

दरअसल चीन ने 'बिग डेटा प्लेटफॉर्म' नामक एक वास्तविक, कार्यशील वैश्विक मिसाइल रक्षा नेटवर्क का प्रोटोटाइप विकसित कर लिया है। पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) ने किसी अनुमति या पूर्णता के इंतजार के बिना इसे सीधे तैनात कर दिया। अब इस प्रोटोटाइप के सक्रिय होते ही एक चमत्कारिक परिवर्तन हो चुका है। जहां अमेरिका के पास केवल एक अवधारणा है, वहीं चीन के पास ठोस हकीकत। अमेरिका ने अपने इस दृष्टिकोण को 'गोल्डन डोम' नाम दिया था

मुंबई में दिवाली पर बेमौसम बारिश

प्रभावित इलाके और बारिश की तीव्रता

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई शहर और महानगरीय क्षेत्र के कई हिस्सों में मंगलवार शाम को तेज हवाओं के साथ बेमौसम बारिश हुई। लक्ष्मी पूजन के दौरान अचानक हुई बारिश से खरीदारी करने आए लोग और सड़क पर सामान बेचने वाले प्रभावित हुए। दादर, बांद्रा, लालबाग, पवई, बायकुला, कुर्ला और अन्य क्षेत्रों में मध्यम से भारी बारिश दर्ज की गई। मुंबई और आसपास के इलाकों में सुबह से ही उमस का माहौल था। बारिश से थोड़ी राहत मिली, लेकिन दिवाली की खरीदारी कर रहे लोग और दुकानदार असुविधा महसूस कर रहे थे।

नवी मुंबई में भी तेज बारिश

नगर निकाय के अधिकारियों ने बताया कि नवी मुंबई के नेरुल, बेलापुर, वाशी, सीवुड्स, सानपाड़ा और घनसोली जैसे इलाकों में तेज हवाओं और बिजली चमक के साथ भारी बारिश हुई। कई सड़कें आंशिक रूप से जलमग्न हो गईं, जिससे व्यस्ततम समय में यातायात प्रभावित हुआ।

आईएमडी का पूर्वानुमान

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने आने वाले कुछ घंटों में नवी मुंबई और आसपास के क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश का पूर्वानुमान जारी किया है।

नवी मुंबई में भीषण अग्निकांड

दिवाली की रात 6 लोगों की दर्दनाक मौत, कई घायल

नागमणि पांडेय । नवी मुंबई

दिवाली की रात नवी मुंबई में दो अलग-अलग जगहों पर लगी भीषण आग ने खुशियों को मातम में बदल दिया। वाशी और कामोठे इलाके में हुई इन दो घटनाओं में कुल 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग गंभीर रूप से घायल हैं।

वाशी में चार और कामोठे के अपार्टमेंट में 2 जिंदा जले

पहली घटना : वाशी में 12 मंजिला इमारत में लगी आग

जानकारी के अनुसार सोमवार रात करीब 12:30 बजे, वाशी सेक्टर-14 स्थित एमजी कॉम्प्लेक्स की रहेजा रेसिडेंसी के 10वें माले पर अचानक आग लग गई। आग इतनी भीषण थी कि उसने 11वें और 12वें माले को भी अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में 84 वर्षीय बुजुर्ग महिला, एक दंपति और उनकी 6 साल की बच्ची समेत चार लोगों की मौत हो गई। मृतकों में कमला हिरालाल जैन (84), सुंदर बालकृष्णन (44), पूजा राजन (39) और वेदिका बालकृष्णन (6) शामिल हैं। अग्निशमन विभाग को सूचना मिलते ही वाशी, नेरुल, रबाले, ऐरोली, पनवेल और एमआईडीसी से कुल 9 फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। करीब पांच घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। घटना में कई लोग झुलस गए, जिन्हें फोर्टिस हिरानंदानी और एमजीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जख्मी लोगों में मानबेंद्र घोष (69), मलिका घोष (58), रितिका घोष (39), भावना जैन (49), महावीर जैन (51), क्रिश जैन (21), निर्मल जैन (53), मेहुल जैन (32), दमयंती अग्रवाल (80) और सुमंती टोपणो (18) शामिल हैं।

प्रशासन ने लिया घटनास्थल का जायजा

घटना की जानकारी मिलते ही ठाणे के पूर्व सांसद डॉ. संजीव नाइक और नवी मुंबई महानगरपालिका आयुक्त डॉ. कैलास शिंदे मौके पर पहुंचे। आयुक्त शिंदे ने अधिकारियों को आग लगने के कारणों की सख्त जांच करने और पार्किंग प्रबंधन सुधारने के निर्देश दिए, क्योंकि वाहन पार्किंग की वजह से फायर ब्रिगेड को इमारत तक पहुंचने में देरी हुई थी। सहायक पुलिस आयुक्त आदिनाथ बुधवंत ने बताया कि आग अचानक लगी थी और उसकी तीव्रता बहुत अधिक थी, जिससे 11वें और 12वें माले पर रहने वालों को धुएं की वजह से बाहर निकलने का समय नहीं मिला। हादसे में करीब 14 लोग घायल हुए हैं।

दूसरी घटना

कामोठे में सिलेंडर विस्फोट से मां-बेटी की मौत

इसी रात, कामोठे सेक्टर-36 स्थित अंबे श्रद्धा सोसायटी में तड़के करीब साढ़े पांच बजे गैस सिलेंडर ब्लास्ट हुआ। इस हादसे में मां-बेटी की मौके पर ही मौत हो गई। विस्फोट इतना जबरदस्त था कि कुछ ही क्षणों में पूरा घर आग की लपटों में घिर गया। फायर ब्रिगेड और पुलिस की त्वरित कार्रवाई से इमारत के अन्य लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। लेकिन सोई हुई मां-बेटी को बचाया नहीं जा सका।

क्रेन हादसे में महिला की मौत

ठाणे न्यायाधिकरण ने परिजनों को 35.27 लाख मुआवजा देने का दिया आदेश

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे में मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण (एमसीटी) ने एक मामले में बड़ा फैसला सुनाया है। न्यायाधिकरण ने 58 वर्षीय महिला की मौत के मामले में उसके बच्चों को 35.27 लाख रुपए का मुआवजा देने का आदेश दिया है। यह महिला वर्ष 2017 में एक हाइड्रॉलिक क्रेन की चपेट में आ गई थी। न्यायाधिकरण के सदस्य आर.वी. मोहिटे ने अपने आदेश (दिनांक 15 अक्तूबर) में कहा कि मुआवजा राशि पहले ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड को देनी होगी। हालांकि, कंपनी बाद में यह रकम वाहन के मालिक से वसूल कर सकती है, क्योंकि दुर्घटना में बीमा पॉलिसी की शर्तों का उल्लंघन हुआ था।

ट्रिब्यूनल ने सबूतों के आधार पर पाया कि हादसा पूरी तरह क्रेन चालक की लापरवाही से हुआ था। रिपोर्ट में यह भी स्पष्ट किया गया कि मृतका की तरफ से किसी तरह की गलती या योगदान नहीं था। ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी ने अदालत में तर्क दिया कि वाहन के मालिक ने बीमा पॉलिसी की शर्तों का उल्लंघन किया है, क्योंकि चालक के पास क्रेन चलाने का वैध लाइसेंस नहीं था। आरटीओ की रिपोर्ट से यह बात साबित हुई कि चालक के लाइसेंस पर क्रेन चलाने की अनुमति दर्ज नहीं थी।

कैसे हुआ हादसा?

यह हादसा 20 नवंबर 2017 की सुबह ठाणे के वागले एस्टेट इलाके में हुआ था। पीड़िता शलान सुरेश कांबले, जो कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) में चपरासी के पद पर काम कर रही थीं, रोजाना की तरह पैदल जा रही थीं। तभी तेज रफ्तार में आ रही एक हाइड्रॉलिक क्रेन ने उन्हें टक्कर मार दी और उन पर से गुजर गई। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां कई हड्डियां टूटने और किडनी को गंभीर नुकसान पहुंचने के बाद उन्होंने पांच दिन बाद दम तोड़ दिया। पुलिस ने क्रेन चालक के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया था।

कैसे तय किया गया मुआवजा?

शलान कांबले की मासिक आय 38,822 थी। इसी के आधार पर न्यायाधिकरण ने कुल मुआवजा 35 .27 लाख तय किया। इस पर नौ प्रतिशत वार्षिक ब्याज भी जोड़ा गया है, जो दावा याचिका दायर करने की तारीख से लागू होगा। बीमा कंपनी को यह पूरी रकम पहले पीड़िता के बच्चों को देनी होगी और बाद में वह राशि क्रेन मालिक से वसूल सकती है।

मीरा रोड में युवक पर हमला

- मंत्री सरनाईक ने दी चेतावनी

विनय दूबे । भाईंदर

मीरा रोड (पूर्व) के डाचकुल पाड़ा इलाके में एक दिल दहला देने वाली घटना से स्थानीय लोगों में भय का माहौल बन गया। आपराधिक प्रवृत्ति के एक समूह ने एक युवक पर जानलेवा हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना के बाद परिसर में तनाव फैल गया और पुलिस ने तुरंत स्थिति पर नियंत्रण पाने के लिए मोर्चा संभाल लिया। घटना की जानकारी मिलते ही महाराष्ट्र राज्य परिवहन मंत्री और धाराशिव जिले के पालक मंत्री प्रताप सरनाईक स्वयं मीरा रोड पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण किया और पुलिस अधिकारियों से विस्तृत जानकारी ली। मंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि आरोपियों के खिलाफ सख्त और तत्काल कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

बढ़ते अपराध पर चिंता, पुलिस चौकी की घोषणा

माशाचापाड़ा क्षेत्र में अपराधियों की बढ़ती गतिविधियों को लेकर स्थानीय नागरिकों ने मंत्री से स्थायी पुलिस चौकी की मांग की। लोगों ने कहा कि इलाका घनी आबादी वाला बनता जा रहा है और अपराधियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इस पर मंत्री सरनाईक ने घोषणा की कि इलाके में शीघ्र ही पुलिस चौकी स्थापित की जाएगी, जिससे नागरिकों को सुरक्षित वातावरण मिल सके।

महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सख्त रुख

मंत्री सरनाईक ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने निर्देश दिया कि रिक्शा चलाने वाले संदिग्ध या आपराधिक प्रवृत्ति वाले चालकों की पहचान कर उनकी जांच की जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि मीरा-भाईंदर में कानून तोड़ने वालों को बख्शा नहीं जाएगा ।

बाहरी तत्वों की भूमिका की जांच के निर्देश

मंत्री ने यह भी बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार हिंसा में कुछ बाहरी राज्यों के लोग और बांग्लादेशी-रोहिंग्या घुसपैठिए शामिल हो सकते हैं। उन्होंने पुलिस को निर्देश दिया कि इलाके में किरायेदारों की सघन जांच की जाए और बिना दस्तावेज़ वाले लोगों की पहचान कर कार्रवाई की जाए।

रिक्शा चालकों और स्थानीयों में तनाव

मिली जानकारी के अनुसार, डाचकुल पाड़ा परिसर में कुछ मनबढ़ रिक्शा चालक देर रात रिक्शा जबरन खड़ा करके रास्ता रोकते थे, जिससे दुकानदारों और स्थानीय निवासियों में नाराजगी बढ़ती जा रही थी। इसी विवाद के चलते स्थिति ने हिंसक रूप ले लिया। बताया गया कि 21 अक्टूबर की सुबह करीब 5 से 6 बजे के बीच लगभग 50 लोगों के समूह ने हमला किया।

दुकान पर हमला, तीन लोग गंभीर रूप से घायल

शिकायतकर्ता के अनुसार, आरोपियों ने मंतेश की दुकान का शटर तोड़कर अंदर घुसकर हमला किया। इस दौरान मंतेश, उनके पिता और छोटे भाई पर जानलेवा हमला कर उन्हें घायल कर दिया गया। हमलावरों में चाँद पटेल, अदनान, अनस और रशीद सहित कई अन्य शामिल थे। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस दल तुरंत मौके पर पहुंचा। काशीगांव पुलिस स्टेशन ने घटना के संबंध में बीएनएस की विभिन्न गंभीर धाराओं के तहत 50 से अधिक लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। खबर लिखे जाने तक 5 नामजद आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है और अन्य की तलाश जारी है। पुलिस का कहना है कि इस मामले में किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा और जांच तेज़ी से आगे बढ़ाई जा रही है।

16 लाख रुपए के मादक पदार्थ सहित एक गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

नवी मुंबई में एंटी-नारकोटिक्स सेल की कार्रवाई

नवी मुंबई पुलिस की एंटी-नारकोटिक्स सेल (मादक पदार्थ निरोधक दस्ता) को एक बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने मुंबई से नवी मुंबई में ड्रग्स सप्लाई करने वाले आरोपी राजन बाला राठौड़ को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से 1.8 किलो गांजा, 30 ग्राम हेरोइन और एक वाहन जब्त किया गया। बरामद मादक पदार्थों की अनुमानित कीमत लगभग 16 लाख रुपए बताई जा रही है।

संदीप निगडे, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक ने बताया कि गोवंडी निवासी राजन बाला राठौड़ को पहले भी कई थानों में ड्रग्स मामलों में गिरफ्तार किया जा चुका है। वह मुंबई से नवी मुंबई में मादक पदार्थ लाकर छोटे विक्रेताओं को सप्लाई करता था। आरोपी लंबे समय से इस नेटवर्क से जुड़ा हुआ था और ड्रग्स की बिक्री से मोटी कमाई करता था।

एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कंलबोली पुलिस स्टेशन में एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया। अदालत में पेश करने के बाद आरोपी को पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। हिरासत में आरोपी से पूरे सप्लाई नेटवर्क और ड्रग्स की सोर्सिंग के बारे में जानकारी जुटाने का प्रयास किया जाएगा।

बड़े गिरोह की संलिप्तता की भी हो रही जांच

वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक संदीप निगडे ने बताया कि पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी मादक पदार्थ कहां से लाता था और किसे सप्लाई करता था। इसके अलावा, ड्रग्स सप्लाई के पीछे किसी बड़े गिरोह की संलिप्तता की भी जांच की जा रही है ताकि पूरे नेटवर्क को भंग किया जा सके।

शातिर चोर के पास मिले 5 लाख के 35 फोन

डीबीडी संवाददाता । पालघर

महाराष्ट्र के पालघर जिले की पुलिस ने ट्रेन यात्रियों और रेलवे स्टेशनों पर मोबाइल चोरी के एक बड़े रैकेट का पर्दाफाश किया है। वसई स्थित राजकीय रेलवे पुलिस (GRP) ने नागपुर से 20 वर्षीय मोहम्मद इरम अली मोहम्मद जुबेर शेख को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से अलग-अलग ब्रांड्स के 35 मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं, जिनकी कुल कीमत लगभग 5.07 लाख बताई जा रही है।

वसई GRP को ट्रेनों और रेलवे स्टेशनों से मोबाइल चोरी की लगातार शिकायतें मिल रही थीं। पुलिस ने खुफिया जानकारी और तकनीकी सुरागों के आधार पर आरोपी तक पहुंचा। सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर विजय खेड़कर ने बताया कि आरोपी का पता चलने के बाद उसे 18 अक्टूबर को नागपुर से गिरफ्तार कर लिया गया।

ट्रेन और रेलवे स्टेशनों पर उड़ा लेता था यात्रियों के मोबाइल

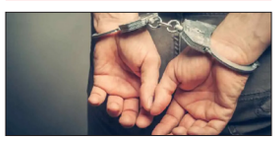

आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई

पुलिस ने मोहम्मद इरम अली मोहम्मद जुबेर शेख के खिलाफ संबंधित कानूनी प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया है। आरोपी के खिलाफ आगे की जांच जारी है, ताकि उसके नेटवर्क और अन्य संभावित आरोपियों का भी पता लगाया जा सके। पुलिस ने यात्रियों को आगाह किया है कि वे अपने मोबाइल और कीमती सामान का ध्यान रखें और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तुरंत GRP को दें।

पुलिस स्मृति दिवस पर मुख्यमंत्री फडणवीस ने शहीद जवानों को दी श्रद्धांजलि

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को नायगांव स्थित पुलिस मुख्यालय में स्मृति स्तंभ पर देशभर में पिछले वर्ष शहीद हुए पुलिस जवानों को पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में पिछले एक वर्ष में देशभर में शहीद हुए कुल 191 पुलिसकर्मियों—34 अधिकारी और 157 जवानों—को उनके अतुलनीय बलिदान के लिए सम्मानित किया गया। शहीदों के नामों का पठन हुआ और पुलिस बैंड दल द्वारा 'सलामी शस्त्र' की धुन बजाई गई। गणवेशधारी अधिकारी और जवानों ने शहीदों को सलामी दी और तीन राउंड की बंदूक से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

पुलिस बलिदान को सम्मान देने का संदेश

यह कार्यक्रम शहीद पुलिसकर्मियों के साहस, समर्पण और देश सेवा के प्रति सम्मान व्यक्त करने का प्रतीक रहा, जिससे पुलिस बल और समाज में उनके योगदान की महत्ता उजागर हुई।

मुख्यमंत्री और वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति

इस अवसर पर मुख्यमंत्री फडणवीस ने देश-विदेश से आए अतिथियों, वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और शहीदों के परिजनों से मुलाकात की। कार्यक्रम में मुंबई उपनगर के संरक्षक मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा, पुलिस महानिदेशक रश्मि शुक्ला, बृहन्मुंबई के पुलिस आयुक्त देवेन भारती, विभिन्न देशों के वाणिज्यदूत और वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित थे। सभी ने स्मृति स्तंभ पर जाकर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

एएसआई और कांस्टेबल रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता । कल्याण

ठाणे एंटी करप्शन ब्यूरो (ACB) ने ठाणे जिले के खड़कपाड़ा पुलिस स्टेशन के सहायक पुलिस निरीक्षक 57 वर्षीय तुकाराम गंगाराम जोशी को दिवाली के दिन शिकायतकर्ता से सवा लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया। इस दौरान उनके साथ महात्मा फुले पुलिस स्टेशन में तैनात कांस्टेबल 38 वर्षीय विजय वामन काले भी रंगे हाथों पकड़े गए। शिकायतकर्ता के बेटे के खिलाफ खड़कपाड़ा पुलिस स्टेशन में दर्ज प्रकरण के तहत जमानत हेतु आवेदन पर तुकाराम जोशी ने तीन लाख रुपए की मांग की थी। जांच के बाद, आपसी बातचीत के दौरान शिकायतकर्ता ने सवा लाख रुपए देने पर सहमति दी। इस राशि को कांस्टेबल विजय काले के माध्यम से लेने का प्रयास किया गया, तभी एसीबी ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया।

एसीबी की कार्रवाई

ठाणे एसीबी ने मामले में तुरंत कार्रवाई करते हुए खड़कपाड़ा पुलिस स्टेशन से तुकाराम जोशी को गिरफ्तार किया और महात्मा फुले पुलिस स्टेशन में रिश्वत लेने के मामले में प्रकरण दर्ज किया। यह कार्रवाई ठाणे एसीबी के पुलिस अधीक्षक शिवराज पाटील के मार्गदर्शन में की गई। फिलहाल दोनों आरोपी हिरासत में हैं और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

कर्नाला अभयारण्य के पास भीषण सड़क दुर्घटना

बंदर को बचाने के चक्कर में युवक की मौत, एक घायल

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

मुंबई-गोवा राष्ट्रीय महामार्ग 66 पर कर्नाला अभयारण्य के पास सोमवार शाम एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना हुई। जानकारी के अनुसार, बाइक पर सवार दो युवक अभयारण्य क्षेत्र से गुजर रहे थे कि अचानक एक बंदर सड़क पर आ गया। बाइक चालक ने उसे बचाने के लिए अचानक ब्रेक लगाया, लेकिन बंदर बाइक से टकरा गया और बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई। इस दुर्घटना में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। दोनों को तत्काल पनवेल के गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों ने मृतक को मृत घोषित किया।

हादसे में बंदर की भी मृत्यु

दुर्भाग्यवश, जिस बंदर को बचाने की कोशिश की जा रही थी, उसकी भी मौत हो गई। वन विभाग ने बंदर का शव अपने कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

पुलिस जांच और ट्रैफिक व्यवस्थापन

वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक औदुंबर पाटील ने बताया कि यह हादसा सोमवार शाम करीब 4:30 बजे हुआ। दुर्घटना के कारण महामार्ग पर लंबा ट्रैफिक जाम लग गया था, जिसे ट्रैफिक पुलिस ने नियंत्रित किया। घटना के बाद पनवेल तालुका पुलिस स्टेशन और कर्नाला वन विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने अकस्मात मृत्यु का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

वसई विरार में दो दिन में 20 जगहों पर लगी आग

डीबीडी संवाददाता । विरार

वसई-विरार के विरार (पूर्व) आर. जे. नगर में दिवाली के पहले दिन दोपहर करीब तीन बजे एक फर्नीचर की दुकान में भीषण आग लग गई। दुकान में लकड़ी और प्लास्टिक का भारी सामान होने के कारण आग तेजी से फैल गई और पूरा स्टोर जलकर राख हो गया। घटना के बाद आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

स्थानीय लोगों ने तुरंत दमकल विभाग को सूचना दी। दमकल की गाड़ियाँ मौके पर पहुँचकर घंटों की मेहनत के बाद आग पर काबू पाने में सफल रही। राहत की बात यह रही कि आग में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। वसई-विरार शहर में दिवाली के दौरान कई जगहों पर आग लगने की घटनाएँ सामने आई हैं। अग्निशमन केंद्र अधिकारी विशाल शिर्के के अनुसार, दो दिन में कुल 19 से 20 स्थानों पर आग लगी, जिनमें घर, नारियल के पेड़, ट्रांसफार्मर, मधुबन क्षेत्र और गुजरात गैस पाइपलाइन के पास शामिल हैं।

जनहानि नहीं, लेकिन संपत्ति का नुकसान

इन आगजनी की घटनाओं में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन लोगों की संपत्ति को काफी नुकसान पहुँचा है। दमकल विभाग ने समय रहते स्थिति नियंत्रण में लेकर बड़े हादसे को टाल दिया। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। विभाग ने चेतावनी दी है कि दिवाली के दौरान सुरक्षा उपायों का पालन करना बेहद आवश्यक है ताकि आगजनी जैसी घटनाओं से बचा जा सके।

दिवाली-छठ पूजा पर यात्रियों के लिए रेलवे का बड़ा तोहफा

मध्य रेलवे की ओर से 1998 विशेष ट्रेनें, 30 लाख यात्रियों को मिलेगा लाभ

मुंबई। मध्य रेल के महाप्रबंधक विजय कुमार ने दिवाली और छठ पूजा के त्यौहारी सीज़न के दौरान यात्रियों की भीड़ के लिए विशेष प्रबंधों की जानकारी मंगलवार को मीडिया से साझा की। महाप्रबंधक सीएसएमटी हेरिटेज बिल्डिंग में आयोजित एक मीडिया ब्रीफिंग में बताया की भारतीय रेल ने देशभर में कुल 12,011 विशेष ट्रेनें चलाई हैं। इनमें से मध्य रेलवे (Central Railway) ने यात्रियों की सुविधा के लिए 19 सितंबर से 30 नवंबर 2025 तक 1,998 विशेष ट्रिप्स (आरक्षित और अनारक्षित दोनों) का संचालन किया है। इनमें से 600 से अधिक ट्रेनें मुंबई क्षेत्र से चलाई जा रही हैं। रोजाना मुंबई क्षेत्र से 100 नियमित और 8 से 10 विशेष ट्रेनें चलाई जा रही हैं।

उन्होंने बताया कि अब तक 705 विशेष ट्रिप्स पूरी हो चुकी हैं, जिनमें 10.68 लाख यात्रियों ने यात्रा की है। नवंबर के अंत तक कुल 30 लाख से अधिक यात्री इन त्योहारी ट्रेनों से सफर कर पाएंगे।

मध्य रेलवे की ये विशेष ट्रेनें बिहार, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश जैसे राज्यों की ओर यात्रियों को आरामदायक यात्रा सुविधा प्रदान कर रही हैं।

त्योहारी भीड़ संभालने की पूरी तैयारी

21 अक्टूबर तक मध्य रेलवे ने 1,998 ट्रिप्स में से 705 ट्रिप्स पूरी कर ली हैं, जबकि 1,293 ट्रिप्स अभी बाकी हैं। शेष ट्रिप्स में करीब 20 लाख यात्री यात्रा करेंगे।

राज्यवार आंकड़े

गंतव्य राज्य	कुल ट्रेनें	यात्री संख्या
बिहार	464	7,25,394
उत्तरप्रदेश	470	8,03,898
महाराष्ट्र	505	6,04,651
राजस्थान	88	1,60,743
दिल्ली	92	1,42,769

उत्तर प्रदेश और बिहार की दिशा में यात्रियों की सबसे अधिक मांग दर्ज की गई है, जो कुल यात्रियों का 58% है। वहीं महाराष्ट्र, राजस्थान और दिल्ली के लिए भी बड़ी संख्या में यात्री यात्रा कर रहे हैं।

यात्रियों की सुविधा के लिए विशेष इंतजाम

- मुंबई से बिहार व उत्तर प्रदेश की ओर जाने वाली ट्रेनों की भारी मांग को देखते हुए रेलवे ने सीएसएमटी (CSMT) और एलटीटी (LTT) पर यात्रियों के लिए विशेष इंतजाम किए हैं।
- सीएसएमटी पर 1200 वर्गमीटर का क्षेत्र तैयार किया गया है, जहां लगभग 1500 यात्री अपने सामान के साथ रुक सकते हैं।
- एलटीटी पर 10,000 वर्गमीटर का विशाल प्रतीक्षालय क्षेत्र बनाया गया है, जो 10,000 से अधिक यात्रियों को समायोजित कर सकता है।
- प्लेटफॉर्म पहले से निर्धारित किए गए हैं ताकि भीड़ और अव्यवस्था न हो।
- भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा के लिए आरपीएफ और जीआरपी के अतिरिक्त जवानों की तैनाती की गई है – सीएसएमटी पर 90, एलटीटी पर 70, दादर पर 47 और कल्याण पर 66 जवान।
- 60 रेलवे कर्मचारी बिहार जाने वाली ट्रेनों में एस्कॉर्टिंग के लिए लगाए गए हैं।

मध्य रेलवे का संकल्प

मध्य रेलवे ने यह सुनिश्चित किया है कि दिवाली और छठ पूजा के समय कोई यात्री परेशान न हो। इसके लिए अतिरिक्त कोच, रियल-टाइम टिकट मॉनिटरिंग, भीड़ प्रबंधन, और सुरक्षा के लिए ठोस इंतजाम किए गए हैं।

रेलवे के एक अधिकारी के अनुसार — "त्योहारी सीजन में यात्रियों को सुरक्षित, सुविधाजनक और समय पर यात्रा उपलब्ध कराना हमारा लक्ष्य है। इस बार रिकॉर्ड स्तर पर विशेष ट्रेनें चलाई जा रही हैं ताकि कोई भी यात्री अपने घर जाने से वंचित न रहे।"

नकली डाक टिकट बनाकर बेचने वाले रैकेट का भंडाफोड़, 3 गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई एमआरए मार्ग पुलिस ने जनरल पोस्ट ऑफिस (जीपीओ) के सहयोग से एक बड़े नकली डाक टिकट रैकेट का खुलासा किया है। पुलिस ने दिल्ली और बिहार से संचालित इस गिरोह के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया कि आरोपियों ने नकली डाक टिकटों को उनके अंकित मूल्य के आधे दाम पर बेचकर करोड़ों की कमाई की। बैंक खातों की जांच में पता चला कि आरोपियों के खातों में 8 करोड़ रुपए से अधिक के लेनदेन हुए। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राकेश बिंद, शमसुद्दीन अहमद और शाहिद रजा के रूप में हुई है। पुलिस ने इन्हें 23 अक्टूबर तक हिरासत में रखा है ताकि पूछताछ के बाद पूरे मामले का पर्दाफाश किया जा सके।

डाक विभाग की मदद से पकड़ा गया गिरोह

डाक विभाग के अधिकारियों ने कुछ पत्रों की जांच के दौरान नकली और जाली डाक टिकटों का पता लगाया। इसके बाद पुलिस ने संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी की। पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपियों से पूछताछ जारी है और जांच में यदि कोई बैंक कर्मी या अन्य दोषी पाए जाते हैं, तो उनके खिलाफ भी उचित कार्रवाई की जाएगी।

घरेलू विवाद में बेटी की हत्या, पत्नी गंभीर

इसी दौरान मुंबई क्राइम ब्रांच ने वाकोला इलाके में 40 वर्षीय मोहम्मद सुलेमान कुजरा को गिरफ्तार किया। आरोपी पर आरोप है कि उसने गुस्से में अपनी 14 वर्षीय बेटी की पीट-पीटकर हत्या कर दी और पत्नी नसीमा सुलेमान कुजरा को गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना के बाद आरोपी फरार हो गया था, लेकिन पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस कार्रवाई और जांच जारी

वाकोला पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 103(1), 109(1), और 352 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने बताया कि बेटी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पत्नी को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दोनों मामलों में पुलिस की सक्रिय कार्रवाई जारी है और दोषियों के खिलाफ पूरी कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

एमआईएम नेता इम्तियाज जलील को राहत

- कोरोनाकाल में सरकारी काम बाधा डालने के आरोप से हुए बरी

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

पूर्व सांसद और AIMIM नेता इम्तियाज जलील को अदालत से बड़ी राहत मिली है। न्यायालय ने कोरोना लॉकडाउन के दौरान सरकारी कार्य में बाधा डालने के आरोप में दर्ज मामले में जलील समेत अन्य सभी आरोपियों को बरी कर दिया। लॉकडाउन के समय 56 व्यापारिक प्रतिष्ठान सील किए गए थे और व्यापारियों पर भारी जुर्माना लगाया गया था।

व्यापारियों के हक में शांतिपूर्ण संघर्ष

मामले में बताया गया कि तत्कालीन सांसद जलील व्यापारियों की मांगों को लेकर श्रम उपायुक्त कार्यालय गए थे। वे प्रतिनिधिमंडल के साथ प्रतिष्ठान के सील हटाने और जुर्माना कम करने की मांग कर रहे थे। यह आंदोलन पूरी तरह शांतिपूर्ण था, लेकिन इसके बावजूद उनके खिलाफ सरकारी काम में बाधा डालने का मामला दर्ज कर दिया गया था।

न्यायालय का फैसला: किसी प्रकार का अपराध नहीं हुआ

अदालत ने सुनवाई के बाद स्पष्ट किया कि प्रकरण में किसी भी प्रकार का अपराध नहीं हुआ। सभी आरोपियों को निर्दोष मानते हुए उन्हें बरी कर दिया गया। अदालत के फैसले ने यह स्पष्ट कर दिया कि जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए आवाज उठाना अपराध नहीं बल्कि जनसेवा का प्रतीक है।

इम्तियाज जलील ने कहा कि यह मुकदमा जनता के अधिकारों के लिए लड़ी गई लड़ाई का प्रतीक है। उन्होंने न्यायपालिका पर भरोसा जताया और अब फैसले से यह साबित हो गया कि अन्याय के खिलाफ आवाज उठाना न केवल जायज़ है बल्कि लोकतंत्र और जनसेवा का हिस्सा है।

'मजबूत वॉर्ड नहीं छोड़ेंगे'

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

बृहन्मुंबई महानगरपालिका (BMC) चुनाव से पहले मुंबई बीजेपी में जोश और रणनीति दोनों तेजी से दिखने लगी है। कार्यकर्ताओं ने पार्टी नेतृत्व को स्पष्ट संदेश दिया है कि जिस भी वॉर्ड में बीजेपी का मजबूत जनाधार है — उसे किसी भी कीमत पर गठबंधन सहयोगी (शिंदे गुट) के लिए नहीं छोड़ा जाएगा। इनमें वॉर्ड क्रमांक 6 सहित कई सीटें शामिल हैं।

यह तेवर उस समय सामने आया जब कैबिनेट मंत्री आशीष शेलार ने दहिसर विधानसभा के पूर्व मंडल अध्यक्ष अरविंद यादव के घर आभार प्रदर्शन कार्यक्रम में शिरकत की। इस दौरान विधायक मनीषा चौधरी, मंडल अध्यक्ष अमित सिंह, युवा नेता बृजेश दुबे, पूजा दुबे, शशि कदम और पूर्व नगरसेवक जीतू पटेल समेत कई पदाधिकारियों ने एक स्वर में कहा कि "मजबूत सीटें किसी भी स्थिति में छोड़ी नहीं जाएंगी।"

दिवाली के बाद वॉर्ड बंटवारे में दिखेगा असर

बीजेपी की इस सुनियोजित तैयारी से साफ है कि दिवाली के बाद वॉर्ड वितरण के दौरान पार्टी अपनी मजबूत सीटों पर ज़ोरदार दावा पेश करेगी और सहयोगी दल के दबाव में झुकने को तैयार नहीं होगी। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यह रणनीति मुंबई की चुनावी जंग को निर्णायक मोड़ पर ले जा सकती है।

227 वॉर्डों का 'ग्राउंड सर्वे' शुरू

पार्टी के भीतर इस रणनीतिक आक्रामकता को ज़मीनी हकीकत में बदलने के लिए, अध्यक्ष पद से हटने के बाद शेलार ने 'आभार प्रदर्शन अभियान' के बहाने 227 वॉर्डों की ग्राउंड रिपोर्ट जुटाने का अभियान तेज़ कर दिया है। यह कदम इस बात का संकेत है कि पार्टी नेतृत्व सीट बंटवारे से पहले संगठन की पूरी तस्वीर साफ़ कर लेना चाहता है। नवनियुक्त मुंबई बीजेपी अध्यक्ष अमित साटम भी इस अभियान में पूरी तरह शामिल हैं। उन्होंने कहा, "शेलार पूर्व मंडल अध्यक्षों से मिल रहे हैं और मैं वर्तमान मंडल अध्यक्षों से। हम संयुक्त रणनीति के तहत मैदान में हैं।"

10-12 ट्रांसजेंडरों ने आत्महत्या की कोशिश

- राजावाड़ी अस्पताल में भर्ती
- मानसिक तनाव और बदनामी के चलते आत्महत्या की कोशिश

मुंबई। महाराष्ट्र में मुंबई के ट्रांसजेंडर समुदाय के लगभग 10-12 सदस्य आत्महत्या की कोशिश कर चुके हैं। सभी को राजावाड़ी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। यह कदम ट्रांसजेंडर समुदाय के सदस्यों ने शारीरिक, मानसिक और अनावश्यक बदनामी से तंग आकर उठाया।

आरोप है कि बांग्लादेशी ट्रांसजेंडर ज्योति गुरु माँ से जुड़े विवाद में कुछ लोगों ने किन्नर संगठन का नाम बेवजह घसीटकर बदनामी करने की कोशिश की। इसके अलावा कृष्णा अडेलकर नामक व्यक्ति पर संगठन के सदस्यों का शारीरिक, मानसिक और आर्थिक शोषण करने का आरोप है। लगातार अफवाहों और बदनामी से परेशान होकर कई ट्रांसजेंडरों ने यह आत्मघाती कदम उठाया।

ज्योति गुरु माँ का फर्जी नेटवर्क और गिरफ्तारी

पुलिस जांच में सामने आया कि ज्योति गुरु माँ, जिनका असली नाम आयलान खान है, बांग्लादेशी नागरिक हैं और पिछले 30 साल से भारत में फर्जी दस्तावेजों के सहारे अवैध नेटवर्क चला रहे थे। उन पर फर्जी किन्नर बनाने, वेश्यावृत्ति कराने, अवैध रोजगार देने और करोड़ों की संपत्ति अर्जित करने के आरोप हैं। हाल ही में उनकी गिरफ्तारी के दौरान उनके दस्तावेज़ फर्जी पाए गए, जिससे उन्हें पुन: गिरफ्तार किया गया।

इस घटना से ट्रांसजेंडर समुदाय में गुस्सा और शोक फैल गया है। अधिकारियों ने सभी प्रभावित ट्रांसजेंडरों का इलाज शुरू कर दिया है। पुलिस और प्रशासन इस मामले की गहनता से जांच कर रहे हैं और समुदाय को सुरक्षा और मानसिक समर्थन देने के प्रयास किए जा रहे हैं।

दिवाली पर पटाखों से वायु प्रदूषण में बढ़ोतरी

- एनजीओ ने दी जानकारी

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई के एनजीओ आवाज फाउंडेशन ने दिवाली के दौरान पटाखों से हवा में अत्यधिक हानिकारक भारी धातुओं के फैलने का आरोप लगाया है। फाउंडेशन ने बताया कि लंबी मानसून अवधि के कारण इस साल पटाखों का प्रभाव वायु गुणवत्ता पर तेजी से दिखा।

आवाज फाउंडेशन ने राज्य सरकार पर आरोप लगाया कि जहरीले पटाखों के उपयोग को नियंत्रित करने और नागरिकों को स्वास्थ्य पर उनके प्रतिकूल प्रभाव से बचाने में विफल रही।

पटाखों की जांच में गड़बड़ी

फाउंडेशन ने 25 प्रकार के पटाखों की जांच की और पाया कि इनमें हानिकारक धातुएं मौजूद थीं। कई पटाखों पर छपी रासायनिक संरचना वास्तविक सामग्री से काफी भिन्न पाई गई। उदाहरण के तौर पर, ब्लूबेरी पटाखों में लेबल पर पोटैशियम नाइट्रेट 55%, एल्युमीनियम 20%, सल्फर 15%, जिओलाइट 10% लिखे थे, जबकि प्रयोगशाला में एल्युमीनियम 36.571%, पोटैशियम 16.85%, सल्फर 4.045%, सिलिकॉन 0.148% और ऑक्सीजन 42.249% पाई गई।

वरिष्ठ नेता राजीव देशमुख का निधन

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार गुट) के वरिष्ठ नेता और पूर्व विधायक राजीव देशमुख का मंगलवार सुबह दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वे 55 वर्ष के थे। उन्हें अचानक तबीयत बिगड़ने पर तुरंत निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन उपचार के दौरान ही उन्होंने अंतिम सांस ली। राजीव देशमुख चालीसगांव विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक रहे और लंबे समय से क्षेत्र की राजनीति में सक्रिय थे। शांत, संयमी और शालीन स्वभाव के कारण उन्हें जिले में एक सम्मानित नेता माना जाता था। उन्होंने अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत चालीसगांव नगरपालिका चुनावों से की थी। 2009 में एनसीपी के टिकट पर विधानसभा चुनाव जीतकर उन्होंने सक्रिय राजनीति में अपनी छाप छोड़ी।

युवक की पीट-पीटकर हत्या

- चार आरोपी पुलिस के शिकंजे में

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई के गोरेगांव इलाके में 26 वर्षीय हर्षल परमा को कुछ लोगों ने चोर समझकर पीट-पीटकर मार डाला। पुलिस के अनुसार, हर्षल किसी काम से इलाके से गुजर रहे थे, तभी कुछ लोगों ने उन पर चोरी का शक जताया और बिना किसी पुख्ता सबूत के उन्हें पकड़कर बेरहमी से पीटा। गंभीर चोटों के कारण उन्हें अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

आरोपियों ने खुद को मोहल्ला सुरक्षा दल बताया

पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने खुद को इलाके के 'मोहल्ला सुरक्षा दल' का सदस्य बताया, जो संदिग्ध लोगों पर नजर रखते हैं। घटना की जानकारी मिलने पर गोरेगांव पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया।

चार आरोपियों की गिरफ्तारी

गोरेगांव पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनकी पहचान सलमान मोहम्मद खान, इसामुल्ला खान, गौतम और राजीव गुप्ता के रूप में हुई है। सभी पर हत्या और मारपीट के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि हत्या के पीछे कोई पुराना विवाद या आपसी रंजिश तो नहीं थी।

आगे की जांच जारी

पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि उस समय हर्षल वहां क्या कर रहे थे और हमला कैसे हुआ। इलाके के निवासियों ने कानून को अपने हाथ में लेने की निंदा की है।

क्राइम फाइल

'एनकाउंटर कर दूंगा...'

मुंबई पुलिस का निलंबित सब इंस्पेक्टर बना लुटेरा

सूरत में महिला लोन एजेंट से 2.25 लाख की लूट

मुंबई। पुलिस के नाम पर आतंक फैलाने वाला मुंबई पुलिस का निलंबित सब इंस्पेक्टर रंजीत कासले आखिरकार सलाखों के पीछे पहुंच गया। सूरत शहर की पाल थाना पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है, जो खुद को मुंबई क्राइम ब्रांच अधिकारी बताकर लोगों को डराता और ठगता था।

महिला लोन एजेंट से लूटपाट का मामला

पुलिस के अनुसार, आरोपी रंजीत कासले ने एक महिला लोन एजेंट से 2.25 लाख रुपये नकद और एक मोबाइल फोन लूट लिया था। उसने पीड़िता को झूठे मामलों में फंसाने की धमकी दी और अपने आपको वरिष्ठ क्राइम ब्रांच अधिकारी बताया। आरोपी कासले खुद को मुंबई क्राइम ब्रांच का प्रभावशाली अधिकारी बताकर लोगों में खौफ पैदा करता था। सूरत में भी उसने कई लोगों को धमकाया और अवैध रूप से पैसे वसूले।

पहले से दर्ज हैं सात आपराधिक मामले

जांच के दौरान पता चला है कि रंजीत कासले के खिलाफ मुंबई के अलग-अलग थानों में 7 आपराधिक मामले पहले से दर्ज हैं। इनमें धोखाधड़ी, मारपीट, धमकी और लूटपाट जैसे गंभीर आरोप शामिल हैं। इसके बावजूद, वह अब तक खुलेआम अपराध करता रहा। जानकारी के अनुसार, रंजीत कासले मुंबई पुलिस में सब इंस्पेक्टर के पद पर तैनात था। विभागीय जांच में कई गंभीर आरोप साबित होने के बाद उसे निलंबित कर दिया गया था। निलंबन के बाद भी वह पुलिस की वर्दी और पहचान का गलत इस्तेमाल करता रहा।

सूरत पुलिस की सक्रियता से पकड़ा गया आरोपी

पाल थाना पुलिस को जब शिकायत मिली, तो उन्होंने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी की लोकेशन ट्रेस की। टीम ने तकनीकी निगरानी और सीसीटीवी फुटेज की मदद से रंजीत कासले को मुंबई से गिरफ्तार किया और सूरत लाकर पूछताछ शुरू की। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, रंजीत कासले से पूछताछ में और भी मामलों के खुलासे की उम्मीद है। यह भी जांच की जा रही है कि क्या उसने किसी पुलिसकर्मी या अपराधी गिरोह के साथ मिलकर वारदातों को अंजाम दिया।

संपादकीय

दीवाली और साफ हवा की जंग

इस दीवाली पर दिल्ली में कानूनी अनुमति के तहत पटाखे फोड़े जा रहे हैं। पिछले हफ्ते सुप्रीम कोर्ट ने एक आदेश में साल 2018 से अपने द्वारा लागू प्रतिबंध को संशोधित किया और त्योहार के दौरान हरित पटाखों के इस्तेमाल की अनुमति दी। यह निर्णय क्रियान्वयन को लेकर कुछ शर्तों के साथ आया है, लेकिन यह उस सतत चुनौती को रेखांकित करता है जिसका सामना प्राधिकारियों को लोक स्वास्थ्य और पर्यावरण सुरक्षा को प्राथमिकता देते समय सांस्कृतिक मानदंडों और आर्थिक गतिविधियों के दबावों से निपटने में करना पड़ता है। कानूनी अनुमति-प्राप्त, कम-प्रदूषक विकल्पों को दोबारा लाया जाना भारतीय जनता पार्टी के सत्ता में आने के बाद सरकारी नीति में बदलाव की निशानी है और इसका मकसद दिल्ली में परंपरागत आतिशबाजी के गंभीर पर्यावरणीय प्रभाव (जिस पर जाड़े की जहरीली हवा का कुछ ज्यादा ही असर पड़ता है) को स्वीकार करने के साथ पारंपरिक उत्सवों के लिए गुंजाइश बनाना है। यह कदम इस बात को मान्यता देता है कि आतिशबाजी का इस्तेमाल दीपोत्सव के दौरान आनंद की एक अभिन्न सांस्कृतिक अभिव्यक्ति है। इसके अलावा, पटाखा उद्योग लाखों लोगों की रोजी-रोटी में मदद करता है, जिससे आर्थिक पहलू भी नियामक परिदृश्य का हिस्सा बन जाते हैं। हालांकि, जैसा कि दिल्ली के वायु प्रदूषण का इतिहास दिखाता है, साफ हवा की लड़ाई मौसम विज्ञान, आर्थिक संरचना, आबादी और भूगोल की जटिल अंतःक्रिया है। कई विशेषज्ञ निकाय और कार्य बल विज्ञान और व्यापक माप-जोख (इतने बड़े पैमाने पर दुनिया के कुछ ही शहरों ने कोशिश की है) का इस्तेमाल करके इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि वायु गुणवत्ता पर विविध स्रोत असर डालते हैं, जिनमें अलग-अलग अवधि में परिवहन, उद्योग, कृषि-अपशिष्ट दहन, जैविक पदार्थ दहन, कंस्ट्रक्शन और सड़क की धूल शामिल हैं। सबूत यह भी बताते हैं कि लंबी बारिश में फासले का औसत वायु गुणवत्ता स्तर के सुधार पर सबसे ज्यादा प्रभाव पड़ता है। इस सालाना प्रदूषण की समस्या में पटाखों का योगदान अस्थायी भले हो, लेकिन आंकड़े तस्दीक करते हैं कि इसके परिणामस्वरूप प्रदूषण में अचानक बढ़ोतरी ने पहले से ही हवा की खराब हालत को बदतर बना दिया है। वैज्ञानिक रूप से विकसित 'हरित' पटाखों जिनके लगभग दो-तिहाई कम विषाक्त होने का अनुमान है – के इस्तेमाल की इजाजत देना नियंत्रित स्थितियों के तहत अस्थायी उछाल को बर्दाश्त करने का प्रयास है। यह दृष्टिकोण परंपरा को सम्मान देने और नुकसान को न्यूनतम करने के बीच का रास्ता तलाशने की कोशिश करता है। भले ही हरित पटाखे पारंपरिक पटाखों से बेहतर हों, लेकिन वे शून्य-उत्सर्जन उत्पाद नहीं हैं। इस कम-उजले विकल्प को वैध बनाते हुए, सरकारों और अदालतों को यह एहतियात बरतनी होगी कि वे आशा और श्रद्धा पर नहीं, बल्कि विज्ञान और तर्क पर आधारित कठोर पर्यावरणीय मानदंडों के प्रति लोक प्रतिबद्धता की जरूरत से ध्यान न हटाएं। प्रदूषण के सभी स्रोतों के खिलाफ एक व्यापक, निरंतर कार्रवाई का कोई विकल्प नहीं हैं।

शतायु जीवन दे सकते हैं अच्छे बैक्टीरिया

मधुसूदन शर्मा

दुनिया में कुछ लोग अपनी आयु का शतक पूरा कर लेते हैं और कुछ गिने-चुने लोग अपने शतक में कुछ और साल जोड़ने में कामयाब हो जाते हैं। क्या इन लोगों का दीर्घ जीवन आनुवंशिक कारणों से है या इसके लिए उनका खानपान और दिनचर्या जिम्मेदार है? वैज्ञानिक काफी लंबे अर्से से इन सवालों का उत्तर ढूंढ़ने की कोशिश कर रहे हैं। स्पेनी महिला मारिया ब्रान्यास मोरेरा द्वारा छोड़े गए एक 'उपहार' से उनके शोध प्रयासों को नया बल मिला है। मोरेरा का जब 2024 में 117 वर्ष की आयु में निधन हुआ तो वह विज्ञान के लिए अपने माइक्रोबायोम के नमूने छोड़ गई। हर व्यक्ति के शरीर में रहने वाले लाभकारी जीवाणुओं के समूह को माइक्रोबायोम कहा जाता है। शोधकर्ताओं ने इस नमूने का अध्ययन करने के बाद पाया कि मोरेरा की आंतें दशकों छोटी महिला की आंतों की तरह विविध थीं। वे ऐसे लाभकारी बैक्टीरिया से भरपूर थीं जो दीर्घायु से जुड़े हैं। शोधकर्ताओं का कहना है कि मोरेरा की रोजाना योगर्ट (खास विधि से जमाया गया दही) खाने की आदत और भूमध्यसागरीय आहार ने शायद इसमें मदद की होगी। हालांकि हम सभी को 'भाग्यशाली जीन' विरासत में नहीं मिलते, फिर भी अपने माइक्रोबायोम का पोषण करना आजीवन स्वास्थ्य बनाए रखने का एक तरीका हो सकता है। सेल रिपोर्ट्स मेडिसिन में प्रकाशित एक शोधपत्र में शोधकर्ताओं ने एक सुपरसेंटेनेरियन (110 वर्ष या उससे अधिक आयु का व्यक्ति) पर संभवतः सबसे विस्तृत वैज्ञानिक शोध प्रस्तुत किया है। अपनी मृत्यु से पहले ब्रान्यास ने इस शोध में भाग लेने पर सहमति व्यक्त की थी जिसका उद्देश्य यह पता लगाना था कि उन्होंने इतना लंबा और स्वस्थ जीवन कैसे जिया। वैज्ञानिकों ने उसके नमूनों की तुलना उन लोगों के नमूनों से की जिनकी उम्र इतनी असाधारण नहीं थी। उन्होंने पाया कि ब्रान्यास के शरीर में सुरक्षात्मक जीन मौजूद थे जो सामान्य बीमारियों से बचाते हैं। लेकिन उन्होंने आंत के माइक्रोबायोम पर भी ध्यान दिया जिस पर हमारा ज्यादा नियंत्रण है। यह माइक्रोबायोम बैक्टीरिया, कवक और अन्य सूक्ष्मजीवों का विशाल समुदाय है जो हमारी आंतों में रहते हैं। ये भोजन को पचाने, विटामिन बनाने, हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली को प्रभावित करने और मस्तिष्क से संवाद करने में मदद करते हैं। यद्यपि हमारे जीन हमारे माइक्रोबायोम को आकार देने में छोटी भूमिका निभाते हैं, लेकिन आहार और जीवनशैली कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण हैं। आमतौर पर जैसे-जैसे लोगों की उम्र बढ़ती है, आंत में सूक्ष्मजीव प्रजातियों की विविधता कम हो जाती है और बिफीडोबैक्टीरियम जैसे लाभकारी सूक्ष्मजीव कम हो जाते हैं। विविधता में इस कमी को दुर्बलता से जोड़ा गया है। ब्रान्यास की आंत का माइक्रोबायोम किसी बहुत कम उम्र के वयस्क की तरह ही विविध था और विशेष रूप से बिफीडोबैक्टीरियम परिवार के जीवाणुओं से भरपूर था।

ज्यादातर बुजुर्गों में ये बैक्टीरिया कम हो जाते हैं, लेकिन ब्रान्यास के स्तर अन्य शतायु और अतिशतायु लोगों में बिफीडोबैक्टीरियम के बढ़े हुए स्तर की पिछली रिपोर्टों से मेल खाते थे। शोधकर्ताओं ने निष्कर्ष निकाला कि इस असामान्य रूप से युवा माइक्रोबायोम ने उनकी आंत और प्रतिरक्षा स्वास्थ्य को सहारा दिया होगा, जिससे उनकी असाधारण दीर्घायु में योगदान मिला।

बिफीडोबैक्टीरिया शिशु की आंत में बसने वाले पहले सूक्ष्मजीवों में से हैं और आमतौर पर जीवन भर लाभकारी माने जाते हैं। अध्ययनों से पता चला है कि ये प्रतिरक्षा कार्य को बढ़ावा देने, आंत संबंधी विकारों से बचाने और कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करने में मदद करते हैं। ब्रान्यास के आहार से इस बात का सुराग मिला कि उनमें बिफीडोबैक्टीरियम का इतना उच्च स्तर क्यों था। ब्रान्यास ने बताया कि वह रोजाना तीन बार योगर्ट का सेवन करती थी। योगर्ट में जीवित बैक्टीरिया होते हैं जो बिफीडोबैक्टीरियम के विकास को बढ़ावा देने के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने भूमध्यसागरीय आहार भी अपनाया, जो खाने का एक ऐसा तरीका है जो आंत के माइक्रोबायोम की विविधता और अच्छे स्वास्थ्य से लगातार जुड़ा हुआ है।

बिफीडोबैक्टीरियम को बढ़ावा देने वाले अन्य खाद्य पदार्थों में केफिर (एक तरह की छाछ) और फर्मेंट की गई सब्जियां शामिल हैं। इनमें प्रोबायोटिक्स अथवा जीवित बैक्टीरिया होते हैं जो आंत में बस सकते हैं और स्वास्थ्य लाभ प्रदान कर सकते हैं। लेकिन प्रोबायोटिक्स को ईंधन की आवश्यकता होती है। प्रीबायोटिक्स खाद्य पदार्थों में आहारीय रेशे होते हैं जिन्हें हम पचा नहीं सकते लेकिन जिन पर हमारे सूक्ष्मजीव पनपते हैं।

ये रेशे प्याज, लहसुन, केले, जई और फलियों जैसे खाद्य पदार्थों में पाए जाते हैं।

जीवन मंत्र

मुश्किल समय भी गुज़र जाता है

अगर आप आज संघर्ष कर रहे हैं, तो इसका मतलब है कि आप आगे कुछ बड़ा सीखने या पाने वाले हैं। बस एक बात याद रखो रुकना नहीं है। धीरे चलो, थको, रो लो पर चलते रहो। क्योंकि कल जब आप पीछे मुड़कर देखोगे, तो यही मुश्किल समय आपको गर्व से मुस्कुराने की वजह देगा।

जब हम किसी कठिन दौर से गुज़रते हैं चाहे वह नौकरी की चिंता हो, रिश्तों में तनाव, सेहत की समस्या या आत्मविश्वास की कमी तो ऐसा लगता है जैसे यह दुःख कभी खत्म नहीं होगा। हर दिन भारी लगने लगता है, और हर रात बेचैनी भरी। लेकिन सच यह है कि समय कभी एक जैसा नहीं रहता। जैसे अंधेरी रात के बाद सूरज ज़रूर निकलता है, वैसे ही दुखों के बाद भी सुख आता है। कई बार हमारी परेशानियाँ हमें बहुत कुछ सिखा जाती हैं धैर्य, सहनशीलता, और खुद पर विश्वास करना। मुश्किल समय में हम अंदर से मजबूत बनते हैं, अपनी सीमाओं को पहचानते हैं, और खुद को फिर से खड़ा करना सीखते हैं। ये दौर हमें वो इंसान बनाते हैं जो आगे चलकर दूसरों को भी सहारा दे सकता है। इसलिए जब सब कुछ टूटता-सा लगे, तब भी खुद को ये याद दिलाना ज़रूरी होता है कि ये वक्त भी गुज़र जाएगा। अगर आप आज संघर्ष कर रहे हैं, तो इसका मतलब है कि आप आगे कुछ बड़ा सीखने या पाने वाले हैं। बस एक बात याद रखो रुकना नहीं है। धीरे चलो,

थको, रो लो पर चलते रहो। क्योंकि कल जब आप पीछे मुड़कर देखोगे, तो यही मुश्किल समय आपको गर्व से मुस्कुराने की वजह देगा। एक और खास बात यह है कि ये बुरा समय अक्सर स्थायी नहीं होता। जब आप उसमें होते हैं, तो हर पल भारी लगता है, पर जैसे-जैसे समय बीतता है, आप महसूस करते हैं कि आप तो उससे बाहर आ चुके हैं धीरे-धीरे, पर शांति से। यह एक बहुत बड़ी सीख है कि जीवन में उतार-चढ़ाव आते रहेंगे, पर आप हर बार उससे बाहर निकल सकते हैं। और अगली बार जब ज़िंदगी आपको गिराने की कोशिश करेगी, आप पहले से ज्यादा हिम्मत से खड़े होंगे क्योंकि आप जानते हैं कि ये वक्त भी गुज़र जाएगा। यह एक बहुत बड़ी सीख है कि जीवन में उतार-चढ़ाव आते रहेंगे, पर आप हर बार उससे बाहर निकल सकते हैं। आप पहले से ज्यादा हिम्मत से खड़े होंगे क्योंकि आप जानते हैं कि ये वक्त भी गुज़र जाएगा।

शख़्सियत — अशफ़ाक़ुल्लाह ख़ाँ

भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के सेनानी

अशफ़ाक़ उल्ला ख़ाँ (22 अक्टूबर 1900–19 दिसम्बर 1927) भारतीय स्वतन्त्रता आन्दोलन के स्वतंत्रता सेनानी थे। ये वीर शहीदों में से एक वीर नाम हैं इनकी शहादत हम कभी नहीं भूल सकते। ख़ान का जन्म ब्रिटिश भारत के शाहजहाँपुर में शफ़िक़ुल्लाह ख़ान और मज़रुनिस्सा के घर हुआ। वे एक मुस्लिम पठान परिवार के खैबर जनजाति में पैदा हुए थे।

वर्ष 1920 में महात्मा गांधी ने भारत में ब्रिटिश शासन के विरुद्ध असहयोग आन्दोलन आरम्भ किया, लेकिन वर्ष 1922 में चौरी चौरा कांड के बाद गांधीजी ने आन्दोलन वापस ले लिया। इस स्थिति में ख़ान सहित अनेक युवा लोग निराश हुए। इसके बाद ख़ान ने समान विचारों वाले स्वतंत्रता सेनानियों से मिलकर नया संगठन बनाने का निर्णय लिया और वर्ष 1924 में हिन्दुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन का गठन किया।

अपने आन्दोलन को आगे बढ़ाने और हथियारों व गोलाबारूद की व्यवस्था के लिए, हिन्दुस्तानी सोशिलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन के सभी क्रांतिकारियों ने शाहजहाँपुर में 8 अगस्त 1925 को एक बैठक की। लम्बी चर्चा के बाद निर्णय लिया गया कि ब्रिटिश सरकार के खजाने को लूटकर उसे स्वतंत्रता संग्राम के लिए प्रयोग किया जाए। 9 अगस्त 1925 को ख़ान सहित उनके क्रांतिकारी साथियों राम प्रसाद 'बिस्मिल', राजेन्द्रनाथ लाहिड़ी, रोशन सिंह, शचीन्द्रनाथ बख्शी, चन्द्रशेखर आज़ाद, केशव चक्रवर्ती, बनवारी लाल, मुरारी शर्मा, मुकुन्दी लाल और मन्मथनाथ गुप्त ने मिलकर लखनऊ के निकट काकोरी में रेलगाड़ी में जा रहा ब्रिटिश सरकार का खजाना लूट लिया।

रेलगाड़ी लूटे जाने के एक माह बाद तक किसी भी क्रांतिकारी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी, यद्यपि ब्रिटिश सरकार ने एक विस्तृत जांच शुरू कर दी थी। 26 अक्टूबर 1925 की सुबह बिस्मिल को पुलिस ने पकड़ लिया, लेकिन ख़ान अब भी पकड़े नहीं जा सके। वे बिहार से बनारस चले गए, जहाँ उन्होंने दस माह तक एक अभियांत्रिकी कंपनी में काम किया। आगे की पढ़ाई और स्वतंत्रता संग्राम को नई दिशा देने के लिए वे विदेश जाना चाहते थे, पर जब दिल्ली पहुँचे तो उनके एक पुराने मित्र ने उन्हें धोखा देकर पुलिस को उनका ठिकाना बता दिया। 7 दिसंबर 1926 की सुबह पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

ख़ान को फैज़ाबाद कारागार में रखा गया और उन पर मुकदमा चलाया गया। जेल में रहते हुए उन्होंने कुरान का पाठ किया, नियमित नमाज़ पढ़ी और रमज़ान के रोज़े कठोरता से रखे। अंततः काकोरी कांड के आरोप में बिस्मिल, ख़ान, राजेन्द्र लाहिड़ी और ठाकुर रोशन सिंह को फाँसी की सज़ा सुनाई गई।

19 दिसम्बर 1927 को फ़ैज़ाबाद जेल में अशफ़ाक़ुल्लाह ख़ान को फाँसी दे दी गई। मातृभूमि के प्रति उनका प्रेम, उनकी स्पष्ट सोच, अडिग साहस, दृढ़ता और निष्ठा ने उन्हें सदा के लिए एक अमर शहीद और किंवदंती बना दिया।

जीवन ऊर्जा

डोरिस लेसिंग : जन्म- 22 अक्टूबर 1919

जन्म

जो भी तुम्हें करना है, अभी करो परिस्थितियाँ हमेशा असंभव होती हैं

डोरिस मे लेसिंग सीएच ओएमजी (22 अक्टूबर 1919 – 17 नवंबर 2013) एक ब्रिटिश उपन्यासकार थीं (जिन्हें उनके करियर के शुरुआती दिनों में कभी-कभी रोडेशियन के रूप में पहचाना जाता था) और 2007 में साहित्य के लिए नोबेल पुरस्कार की विजेता थीं।

हमें जीवन के सबसे गहरे सत्य से परिचित कराता है। यह कहता है कि यदि तुम किसी काम, सपने या लक्ष्य के लिए सही समय की प्रतीक्षा कर रहे हो, तो शायद वह समय कभी नहीं आएगा। जीवन में हमेशा कुछ न कुछ बाधाएँ, डर या कठिनाइयाँ रहेंगी। जो व्यक्ति इन सबका इंतज़ार करता रहता है कि सब कुछ ठीक हो जाए तब वह कुछ करेगा, वह जीवन भर केवल इंतज़ार करता रह जाता है। इसलिए सफलता उन्हीं को मिलती है जो असंभव-सी लगने वाली परिस्थितियों में भी कदम बढ़ा देते हैं।

हर इंसान के जीवन में चुनौतियाँ आती हैं कभी आर्थिक तंगी, कभी आत्मविश्वास

की कमी, कभी परिवार या समाज का दबाव। परंतु अगर हम इन परिस्थितियों को अपनी प्रगति का दुश्मन समझकर बैठ जाएँ, तो हम अपनी ही क्षमता को सीमित कर लेते हैं। असली योद्धा वही होता है जो कठिन समय में भी अपने सपनों की राह पर चलता रहता है। वह समझता है कि "आसान" परिस्थितियाँ कभी नहीं आतीं, इसलिए वह वर्तमान क्षण को ही अपना युद्धक्षेत्र बना लेता है।

यह विचार हमें यह भी सिखाता है कि "परफेक्ट टाइमिंग" जैसी कोई चीज़ नहीं होती। जब हम किसी लक्ष्य की ओर बढ़ते हैं, तो शुरुआत में डर और असुरक्षा होना स्वाभाविक है। लेकिन यही डर हमें मजबूत बनाता है। अगर हम अपने डर के बावजूद कदम बढ़ाते हैं, तो धीरे-धीरे असंभव लगने वाली चीज़ें भी संभव होने लगती हैं। जो व्यक्ति शुरू करने की हिम्मत रखता है, वही अंत में सफलता तक पहुँचता है।

अपने विचार

मैं पूछना चाहता हूं कि अखिलेश यादव की जो सोच है, वह कब ठीक होगी। ये आखिरकार अपने कैबिनेट में जिहादियों-अपराधियों को रखते थे। अब जब अयोध्या में भव्य दिवाली मनाई जा रही है तो इस पर इतनी चिढ़ क्यों हो रही।

-विनोद बंसल, सदस्य, VHP

करोड़ों खर्च, फर्जी आस्था का प्रचार, विश्व रिकॉर्ड का डंका और जमीनी सच्चाई। ये है भाजपा का प्रभु श्री राम के प्रति नकली प्यार। हिंदूदेखिए किस तरह भाजपाई अधर्मियों ने अयोध्या में भगवान श्री राम के नाम पर जलते हुए दीपक को कूड़े की तरह हटवाया।

-संजय सिंह, नेता, आप पार्टी

जिस तरह से बीजेपी और चिराग पासवान ने अपना स्ट्राइक रेट बनाए रखने के लिए नीतीश कुमार को अलग-थलग कर दिया है, मुझे नहीं लगता कि चुनाव के बाद नीतीश कुमार एनडीए में बने रहेंगे। सिर्फ़ कांग्रेस ही नीतीश कुमार को वो सम्मान देगी जिसके वो हक़दार हैं।

-पप्पू यादव, नेता, कांग्रेस

राज्य सरकार के कर्मचारी अपने सेवा आचरण नियमों के अनुसार आरएसएस की गतिविधियों का हिस्सा नहीं बन सकते। अगर कोई इसका उल्लंघन करता है, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

-प्रियंक खरगे, मंत्री, कर्नाटक

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

धन से नहीं, धर्म और गुणों से बनता है मनुष्य

जब मनुष्य इस धरती पर जन्म लेता है, तो वह न तो किसी वस्त्र के साथ आता है और न ही किसी संपत्ति के साथ। उसी प्रकार जब वह मृत्यु के मार्ग पर अग्रसर होता है, तब भी उसके पास कुछ नहीं होता। जीवन के प्रारंभ और अंत के बीच की यह यात्रा ही वास्तविक परीक्षा होती है, जिसमें मनुष्य अपने कर्मों, विचारों और व्यवहार से अपनी पहचान बनाता है। यह यात्रा केवल सांसों की नहीं होती, बल्कि यह आत्मा के उत्थान और पतन की कहानी भी होती है। इस बीच मनुष्य को अच्छाई और बुराई दोनों का अनुभव होता है, और इन्हीं अनुभवों से उसका व्यक्तित्व निर्मित होता है।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो। नं। 9425980556

भौतिक संपत्ति, धन-दौलत, मान-सम्मान या पदवी — ये सभी क्षणिक हैं। जब तक शरीर है, तब तक इनका मूल्य है; शरीर के जाने के बाद इनका कोई अस्तित्व नहीं रह जाता। फिर भी मनुष्य इन्हीं के पीछे भागता है, इन्हीं को अपनी पहचान मान लेता है। वह यह भूल जाता है कि सच्ची पहचान उसकी संपत्ति से नहीं, बल्कि उसके कर्मों और चरित्र से होती है। यदि मनुष्य धनवान है परंतु उसका आचरण दूसरों के प्रति कठोर है, तो उसकी संपत्ति उसे सम्मान नहीं दिला सकती। परंतु यदि वह दयालु, सत्यनिष्ठ और परोपकारी है, तो उसका नाम सदा के लिए अमर हो जाता है।

हमारी संस्कृति सदैव ₹कर्म ही पूजा है₹ का संदेश देती आई है। यह बताती है कि हमारे कर्म ही हमारे साथ चलते हैं। जब शरीर मिट्टी में विलीन हो जाता है, तब भी कर्मों का फल आत्मा को भोगना पड़ता है। इसलिए आवश्यक है कि हम ऐसे कर्म करें जो न केवल हमारे वर्तमान जीवन को बल्कि हमारे परलोक को भी उज्जवल बना सकें। दूसरों की सहायता करना, सच बोलना, बड़ों का सम्मान करना, और जरूरतमंदों के प्रति करुणा रखना — यही वे कर्म हैं जो हमें सच्चा सुख प्रदान करते हैं।

संपत्ति का अर्थ केवल धन नहीं होता। हमारी असली संपत्ति हमारे संस्कार, हमारी परंपराएं, हमारा ज्ञान और हमारे नैतिक मूल्य हैं। माता-पिता अपने बच्चों को केवल संपत्ति ही नहीं, बल्कि संस्कारों की विरासत भी दें। क्योंकि धन तो एक दिन समाप्त हो सकता है, लेकिन संस्कार एक ऐसा खजाना है जो पीढ़ियों तक बना रहता है।

अपने विचार

डीबीडी कार्यालय

ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001

indiagroundreport@gmail.com

भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि." के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com **कार्यकारी संपादक :** अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज़िमेदार).

ब्रीफ न्यूज़

24 अक्टूबर को डोंबिवली में रिक्शा चालकों का विरोध प्रदर्शन

डोंबिवली। डोंबिवली पश्चिम में रेलवे स्टेशन से लेकर भीतरी शहर तक सड़क के दोनों ओर फेरीवाले रास्ता रोककर अपना कारोबार कर रहे हैं। इस वजह से रिक्शा चालकों के लिए रिक्शा चलाना मुश्किल हो गया है। रोज़-रोज़ के इस जाम से तंग आकर डोंबिवली शहर रिक्शा चालक और मालिक संघ ने रिक्शा चालकों के साथ मिलकर शुक्रवार (गुरुवार 24) को कल्याण डोंबिवली नगर पालिका के एच वार्ड कार्यालय के सामने उग्र विरोध प्रदर्शन करने का फैसला किया है। इस विरोध प्रदर्शन के सिलसिले में, रिक्शा चालक मालिक संघ के कार्यकारी अध्यक्ष अंकुश म्हात्रे और उपाध्यक्ष शेखर जोशी ने मनपा आयुक्त को एक ज्ञापन सौंपा है। इस ज्ञापन में, उन्होंने डोंबिवली पश्चिम रेलवे स्टेशन क्षेत्र में रेहड़ी-पटरी वालों के बैठने के तरीके पर अपना दुख व्यक्त किया है। उन्होंने रिक्शा चालकों को होने वाली परेशानियों पर भी दुख व्यक्त किया है।

नगर निगम के कूड़ेदान में फोड़े पटाखे, लोगों में रोष

वसई। वसई पश्चिम रेलवे स्टेशन क्षेत्र से सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ है जिसमें दो युवक नगर निगम के कूड़ेदान में पटाखे फोड़ते नजर आ रहे हैं। वीडियो में एक युवक जलता हुआ सुतली बम सीधे कूड़ेदान में फेंकता है, जिससे कूड़ेदान का ढक्कन टूट जाता है। इस वीडियो के सामने आने के बाद नागरिकों में गहरा आक्रोश फैल गया है। उनका कहना है कि दिवाली के नाम पर सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुँचाना पूरी तरह से अनुचित है। नागरिकों का कहना है कि रेलवे स्टेशन क्षेत्र और अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर पुलिस गश्त बढ़ाई जानी चाहिए ताकि ऐसे हुड़दंग करने वालों को रोका जा सके और नगर निगम की संपत्ति सुरक्षित रहे। स्थानीय लोगों ने यह भी चेतावनी दी है कि नगर निगम के कूड़ेदान पहले से ही दयनीय स्थिति में हैं, और इनकी सुरक्षा पर ध्यान न देने से शहर में और नुकसान की संभावना बढ़ सकती है।

छठ पूजा के लिए 29 स्थानों पर कृत्रिम तालाब और 5 समुद्र तटों पर किया व्यवस्था

वसई। वसई-विरार शहर महानगरपालिका ने 27-28 अक्टूबर को मनाई जाने वाली छठ पूजा के लिए विशेष व्यवस्थाएँ की हैं। पर्यावरण संरक्षण और भक्तों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए 29 स्थानों पर 32 कृत्रिम तालाब और 5 समुद्र तटों पर पूजा के आयोजन की तैयारी की गई है। इस दौरान प्राकृतिक तालाबों और जल स्रोतों पर प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। महानगरपालिका मुख्यालय में आयुक्त मनोजकुमार सूर्यवंशी की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई, जिसमें पुलिस, अग्निशमन और प्रशासनिक विभागों के बीच समन्वय योजना तय की गई। इन स्थलों पर सुरक्षा, स्वच्छता, बिजली, मंडप, बस सेवा और डॉक्टर दल की सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएँगी। मनपा आयुक्त सूर्यवंशी ने नागरिकों से अपील की है कि वे इस वर्ष भी "गणेशोत्सव" और "नवरात्रोत्सव" की तरह छठ पूजा को पर्यावरण पूरक तरीके से मनाएँ, ताकि उत्सव सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण में संपन्न हो सके।

पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक ने किया बांद्रा टर्मिनस का दौरा

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

दिवाली और छठ पूजा के त्योहारी सीज़न में यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक विवेक कुमार गुप्ता ने 21 अक्टूबर 2025 को बांद्रा टर्मिनस स्टेशन का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने यात्री सुविधाओं, भीड़ प्रबंधन व्यवस्था और स्पेशल ट्रेनों के संचालन की तैयारियों का विस्तृत निरीक्षण किया। उनके साथ पश्चिम रेलवे मुख्यालय और मुंबई सेंट्रल मंडल के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

बांद्रा टर्मिनस पर की गई विस्तृत समीक्षा

निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने कॉनकोर्स, होल्डिंग एरिया, टिकट काउंटर, प्रतीक्षालय और सर्कुलेटिंग एरिया का जायजा लिया। उन्होंने त्योहारों के दौरान आने वाली भीड़ को सुचारू रूप से संभालने के लिए की गई तैयारियों की समीक्षा की। रेलवे प्रशासन ने सुनिश्चित किया है कि यात्रियों को प्रतीक्षा के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो।

12,000 से अधिक हॉलिडे स्पेशल ट्रेनों के फेरे

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, महाप्रबंधक ने बताया कि भारतीय रेल ने त्योहारी सीज़न में यात्रियों की सुविधा के लिए 12,000 से अधिक हॉलिडे स्पेशल ट्रेनों के फेरे संचालित किए हैं। देशभर के प्रमुख स्टेशनों पर होल्डिंग एरिया, अतिरिक्त टिकट काउंटर, पेयजल और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इस दौरान 12 लाख से अधिक रेलवे कर्मचारी यात्रियों की सुरक्षित और सुचारू यात्रा सुनिश्चित करने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रहे हैं।

पश्चिम रेलवे चला रही है 80 जोड़ी स्पेशल ट्रेनें

त्योहारी भीड़ को देखते हुए पश्चिम रेलवे ने 80 जोड़ी विशेष ट्रेनों के 2,400 से अधिक फेरे चलाने का निर्णय लिया है। इनमें से 1,586 फेरे गुजरात से, 738 महाराष्ट्र से और 90 मध्य प्रदेश से संचालित किए जा रहे हैं। इन ट्रेनों में कुछ अनारक्षित स्पेशल सेवाएं भी शामिल हैं, ताकि आम यात्रियों को भी आसानी से यात्रा का अवसर मिल सके।

मोबाइल यूटीएस सुविधा और सुरक्षा प्रबंध

महाप्रबंधक ने बताया कि टिकटिंग को सरल बनाने के लिए मोबाइल यूटीएस सुविधा शुरू की गई है, जिसके ज़रिए कर्मचारी यात्रियों से सीधे संपर्क कर टिकट जारी कर रहे हैं। भीड़ प्रबंधन के लिए आरपीएफ और जीआरपी के अतिरिक्त बल तैनात किए गए हैं, ताकि यात्रियों को मार्गदर्शन और सुरक्षा मिल सके। साथ ही, ट्रेनों और स्टेशनों में सुरक्षा निगरानी भी बढ़ाई गई है।

सीसीटीवी निगरानी और वॉर रूम की स्थापना

महाप्रबंधक ने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी प्रमुख स्टेशनों पर सीसीटीवी सिस्टम के माध्यम से चौबीसों घंटे निगरानी रखी जा रही है। संवेदनशील स्टेशनों पर वॉर रूम स्थापित किए गए हैं, जहाँ अधिकारी और कर्मचारी लगातार स्थिति पर नज़र रख रहे हैं। यात्रियों की सुविधा के लिए नि:शुल्क पेयजल और पर्याप्त शौचालय सुविधाएं भी सुनिश्चित की गई हैं।

बांद्रा टर्मिनस पर विशेष इंतज़ाम

बांद्रा टर्मिनस से 15 से 21 अक्टूबर के बीच लगभग 70,000 यात्रियों ने यात्रा की। इस दौरान यात्रियों की मांग को पूरा करने के लिए उधना/सूरत से 466, बांद्रा टर्मिनस से 468, मुंबई सेंट्रल से 254 और वलसाड से 72 फेरे चलाए गए। स्टेशन पर 450 यात्रियों की क्षमता वाला अस्थायी होल्डिंग एरिया (350 वर्ग मीटर) और 1,000 यात्रियों की क्षमता वाला स्थायी होल्डिंग एरिया (702 वर्ग मीटर) बनाया गया है। इन एरिया में प्रकाश, पंखे और सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली की व्यवस्था की गई है।

प्लेटफ़ॉर्म टिकट पर रोक और यात्रियों से अपील

भीड़ नियंत्रण के लिए बांद्रा टर्मिनस, वापी और सूरत स्टेशनों पर प्लेटफ़ॉर्म टिकट की बिक्री अस्थायी रूप से बंद कर दी गई है। साथ ही, प्लेटफ़ॉर्म पर पार्सल का ढेर न लगाने के निर्देश दिए गए हैं। श्री गुप्ता ने कहा कि सभी मंडलों में निरंतर निगरानी और समन्वय सुनिश्चित किया गया है। उन्होंने यात्रियों से यात्रा की योजना पहले से बनाने, मोबाइल टिकटिंग सेवाओं का उपयोग करने और रेलवे स्टाफ के साथ सहयोग कर सुरक्षित एवं आरामदायक यात्रा करने की अपील की।

पालक मंत्री ने दिया बाढ़ पीड़ित किसानों को गोधन

विनय दूबे | भाईंदर

परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने बाढ़ग्रस्त धाराशिव जिले के प्रभावित किसानों को 101 दुधारू गायें देकर दिवाली का अनमोल उपहार दिया।

गोधन से आत्मनिर्भरता का संदेश

परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा, "बाढ़ ने किसानों का जीवन तबाह कर दिया—फसलें, बर्तन, छोटे-मोटे घरेलू सामान और उनके पशु भी बह गए। हम उन्हें दुधारू गायें उपहार स्वरूप दे रहे हैं ताकि उनके जीवन में नवजीवन का संचार हो। यह केवल दिवाली का उपहार नहीं, बल्कि उनकी तबाह हुई दुनिया को पुनर्जीवित करने का पवित्र संकल्प है। किसानों का जीवन केवल सरकारी सहायता पर निर्भर नहीं रहेगा, इसलिए हमें मिलकर उनकी हर संभव मदद करनी चाहिए।"

किसानों की दयनीय स्थिति और पहल

गौरतलब है कि प्रताप सरनाईक धाराशिव जिले के पालक मंत्री भी हैं। सितंबर महीने में भारी बरसात के कारण जिले के किसानों को काफी नुकसान हुआ; फसलें बर्बाद हुईं और कई मवेशी बह गए। इससे व्यथित होकर जिले के वरिष्ठ पत्रकार प्रोफेसर सतीश भंडारी ने मर्मस्पर्शी तरीके से किसानों की स्थिति से अवगत कराते हुए पीड़ित किसानों को गोधन देने की मांग की।

आशा की लौ और दिवाली का संदेश

रूप चतुर्दशी के दिन उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने किसानों को गोधन देकर उनके जीवन में आशा की लौ जलाई। इस अनूठी दिवाली पहल ने धाराशिव के किसानों की आँखों में उम्मीद का दीपक फिर से जलाया।

'गुरु माँ' प्रकरण

अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों और फर्जी दस्तावेज बनाने वाले रैकेट का मामला आया सामने

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

44 वर्षीय बांग्लादेशी ट्रांसजेंडर बाबू ऐनल खान उर्फ ज्योति उर्फ 'गुरु माँ' की गिरफ्तारी के बाद मुंबई में अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों और फर्जी दस्तावेज बनाने वाले रैकेट का मामला सामने आया है। ज्योति ने बीएमसी के एम-ईस्ट वार्ड कार्यालय से फर्जी जन्म प्रमाण पत्र हासिल किया था, जिसका इस्तेमाल आधार, पैन कार्ड और अन्य भारतीय पहचान दस्तावेज़ों के लिए किया गया।

भाजपा ने सख्त कार्रवाई की मांग की

भाजपा के अनुसार, इस मामले ने नगर निगम में मिलीभगत और भ्रष्टाचार की गंभीरता को उजागर किया है। पार्टी ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से अपील की है कि इसमें शामिल अधिकारियों पर तत्काल और कड़ी कार्रवाई की जाए और घुसपैठियों की मदद करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। बीएमसी ने स्वीकार किया है कि विवादित जन्म प्रमाण पत्र फर्जी है। ज्योति को 24 मार्च, 2025 को गोवंडी में हिरासत में लिया गया। इस कार्रवाई के दौरान कई अन्य बांग्लादेशी नागरिक, सभी ट्रांसजेंडर समुदाय से, भी गिरफ्तार हुए। ज्योति पर दस्तावेज़ जालसाजी, अवैध आव्रजन, अपहरण और मारपीट जैसे गंभीर आरोप हैं। उसके नेटवर्क और अन्य गिरफ्तारियों की जांच जारी है। सूत्रों के अनुसार, ज्योति ने मुंबई में 300 से अधिक ट्रांसजेंडर लोगों को 'गुरु माँ' के रूप में अपने अधीन रखा था।

पंढरपुर रेलवे स्टेशन पर 'अमृत संवाद" का आयोजन

डीबीडी संवाददाता | सोलापुर

सोलापुर डिवीज़न, सेंट्रल रेलवे ने 20 अक्टूबर 2025 को पंढरपुर रेलवे स्टेशन पर "अमृत संवाद" मीटिंग का आयोजन किया। यह पहल रेलवे अधिकारियों और रेल यूज़र्स के बीच डायरेक्ट बातचीत, फ़ीडबैक और सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई। डिवीज़नल रेल यूज़र्स कंसल्टेटिव कमिटी (DRUCC) और पंढरपुर रेल यूज़र्स एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने इस मीटिंग में सक्रिय भागीदारी दिखाई और स्टेशन की सुविधाओं और सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए सुझाव साझा किए।

स्टेशन सुधार और आधुनिक सुविधाओं का प्रस्ताव

मीटिंग में पंढरपुर स्टेशन के रखरखाव और सफाई के साथ कई आधुनिक सुविधाओं पर चर्चा हुई। इसमें अपग्रेडेड टॉयलेट, कपड़े धोने के लिए होल्डिंग एरिया, नई ड्रेनेज लाइन, प्लेटफ़ॉर्म विस्तार, फुट ओवर ब्रिज (FOB), एस्केलेटर और लिफ्ट जैसी सुविधाएं शामिल थीं। रेलवे ने यात्रियों की सुविधा और कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए नई ट्रेन सेवाओं, मौजूदा ट्रेनों की फ्रीक्वेंसी बढ़ाने और कॉर्ड लाइन प्रोजेक्ट को पूरा करने के प्रस्ताव रखे। सुरक्षा बढ़ाने के लिए CCTV कैमरों की स्थापना, जन औषधि स्टॉल और फूड मॉल के लिए नई किचन की योजना भी चर्चा में आई।

किसानों और पैसेंजर कनेक्टिविटी के लिए पहल

मीटिंग में खराब होने वाले सामान के ट्रांसपोर्ट के लिए किसान रेल शुरू करने और पंढरपुर-देहू MEMU सर्विस के माध्यम से रीजनल कनेक्टिविटी बढ़ाने पर भी जोर दिया गया। इस मीटिंग की अध्यक्षता डिविजनल रेलवे मैनेजर डॉ. सुजीत मिश्रा ने की और सीनियर DCM योगेश पाटिल ने मार्गदर्शन प्रदान किया। यह पहल यात्रियों और अधिकारियों के बीच मिलकर काम करने के सकारात्मक माहौल को दर्शाती है।

अवैध पटाखों पर कार्रवाई

▸▸ अवैध दुकानों से 943 किलोग्राम से ज्यादा पटाखे जब्त

धीरज सिंह | मुंबई

बीएमसी के लाइसेंस विभाग ने चार दिनों में सड़क किनारे अवैध दुकानों से 943 किलोग्राम से ज्यादा पटाखे जब्त किए। ज़ब्ती मुख्य रूप से अंधेरी पश्चिम, डोंगरी, चेंबूर और कुर्ला में हुई। नगर निगम दिवाली के दौरान अवैध पटाखों की बिक्री रोकने और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इन प्रयासों को तेज़ कर रहा है।

कम प्रदूषण वाले पटाखों के इस्तेमाल का आग्रह

नगर निगम के अधिकारी नागरिकों से कम प्रदूषण वाले पटाखों का इस्तेमाल करने का आग्रह कर रहे हैं। पटाखे पर्यावरण और स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं, विशेषकर श्वसन संबंधी बीमारियों से पीड़ित लोगों के लिए। साथ ही, अवैध पटाखों से आग लगने का खतरा भी बढ़ जाता है, जिससे जान-माल दोनों को खतरा होता है।

वार्ड-स्तरीय निरीक्षण और कार्रवाई

लाइसेंस विभाग की वार्ड-स्तरीय टीमें अवैध भंडारण या बिना वैध लाइसेंस के पटाखों की बिक्री करने वाले विक्रेताओं की पहचान के लिए सक्रिय रूप से निरीक्षण कर रही हैं। अब तक, मुंबई के 24 प्रशासनिक वार्डों से 943 किलोग्राम पटाखे जब्त किए जा चुके हैं।

क्षेत्रवार प्रमुख जब्ती

क्षेत्र...पटाखों की बड़ी मात्रा (किलोग्राम में)

- ▸▸ के पश्चिम अंधेरी पश्चिम 338
- ▸▸ एम पश्चिम ...चेंबूर ...66
- ▸▸ एल कुर्ला 65
- ▸▸ बी...डोंगरी....63

भाउ बीज के लिए 134 अतिरिक्त बसें चलाएगा बेस्ट

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

बीज उत्सव के मद्देनज़र, बृहन्मुंबई विद्युत आपूर्ति और परिवहन (बेस्ट) उपक्रम 23 अक्टूबर को मुंबई और आसपास के क्षेत्रों में 134 अतिरिक्त बसें चलाएगा। ये बसें मुंबई शहर, पूर्वी और पश्चिमी उपनगरों के साथ-साथ ठाणे, मीरा रोड और भयंदर जैसे विस्तारित इलाकों में भी सेवाएं देंगी।

मुख्य पिक-अप पॉइंट्स और नवी मुंबई में सुविधाएं

ठाणे में मैराथन चौक, कोपरी, कैडबरी जंक्शन और ददलानी पार्क जैसे प्रमुख पिक-अप पॉइंट्स शामिल हैं। नवी मुंबई में कोपरखैराने, नेरुल, ऐरोली, घनसोली गांव और सीबीडी बेलापुर में उन्नत बस सेवाएं उपलब्ध होंगी। इसका उद्देश्य त्योहार के दौरान कनेक्टिविटी बढ़ाना और यात्रियों की सुविधा सुनिश्चित करना है।

यात्री प्रबंधन और सुरक्षा उपाय

बेस्ट ने यात्रियों की बढ़ती संख्या को प्रबंधित करने के लिए प्रमुख बस स्टॉप और रेलवे स्टेशन डिपो पर यातायात निरीक्षकों और परिवहन अधिकारियों को तैनात करने की योजना बनाई है। इससे बस सेवाओं का सुचारू संचालन और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

मेष उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। बड़ा काम करने का मन बनेगा। झंझटों से दूर रहें। विरोधी सक्रिय रहेंगे। व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा। जोखिम बिलकुल न लें। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें।

वृष कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। चिंता बनी रहेगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी। निवेश लाभदायक रहेगा। व्यापार-व्यवसाय में मनोनुकूल लाभ होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

मिथुन दूर से बुरी खबर मिल सकती है। दौड़धूप अधिक होगी। बेवजह तनाव रहेगा। किसी व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है। फालतू बातों पर ध्यान न दें। मेहनत अधिक व लाभ कम होगा। किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं। शत्रुओं की पराजय होगी।

कर्क घर-परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। फालतू खर्च होगा। विवाद को बढ़ावा न दें। अपेक्षाकृत कार्यों में विलंब होगा। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

सिंह योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। विरोधी सक्रिय रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। मित्रों की सहायता कर पाएंगे। आय में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

कन्या यात्रा लाभदायक रहेगी। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है, प्रयास करें। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। शेयर मार्केट से बड़ा लाभ हो सकता है। संचित कोष में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। कारोबारी सौदे बड़े हो सकते हैं।

तुला व्यवसाय में ध्यान देना पड़ेगा। व्यर्थ समय न गंवाएं। पूजा-पाठ में मन लगेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। जल्दबाजी से हानि संभव है। थकान रहेगी। कुसंगति से बचें। निवेश शुभ रहेगा। पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

वृश्चिक फालतू खर्च पर नियंत्रण रखें। बजट बिगड़ेगा। कर्ज लेना पड़ सकता है। शारीरिक कष्ट से बाधा उत्पन्न होगी। लेन-देन में सावधानी रखें। अपरिचित व्यक्तियों पर अंधविश्वास न करें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें।

धनु नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति संभव है। यात्रा लाभदायक रहेगी। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। कारोबारी बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। निवेश में सोच-समझकर हाथ डालें। आशंका-कुशंका रहेगी। पुराना रोग उभर सकता है। लापरवाही न करें।

मकर कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति निर्मित होगी। प्रेम-प्रसंग में जोखिम न लें। व्यापार में लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। निवेश में सोच-समझकर हाथ डालें। शत्रु पस्त होंगे। विवाद में न पड़ें। अपेक्षाकृत कार्य समय पर होंगे। प्रसन्नता रहेगी।

कुंभ रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। समय की अनुकूलता का लाभ मिलेगा। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है।

मीन बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। स्थायी संपत्ति से बड़ा लाभ हो सकता है। समय पर कर्ज चुका पाएंगे। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न तथा संतुष्ट रहेंगे। निवेश शुभ फल देगा। घर-परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी, ध्यान रखें।

गोवर्धन पूजा और 56 भोग का रहस्य: जब श्रीकृष्ण ने सात दिनों तक अन्न नहीं खाया

दीपावली की उजास भरी रात के बाद जब सूरज की पहली किरण धरती को छूती है, तब ब्रजभूमि में एक और अद्भुत उत्सव आरंभ होता है—गोवर्धन पूजा। यह पर्व केवल पूजा का अनुष्ठान नहीं, बल्कि भगवान श्रीकृष्ण की करुणा, शक्ति और प्रेम का प्रतीक है। इस दिन घर-घर में गोबर से गोवर्धन पर्वत बनाया जाता है, उसे फूलों, अक्षत, दीपक और नैवेद्य से सजाया जाता है। चारों ओर "गोवर्धन महाराज की जय" के स्वर गूंजते हैं और इसी दिन भगवान श्रीकृष्ण को चढ़ाया जाता है प्रसिद्ध छप्पन भोग — अर्थात् 56 प्रकार के दिव्य व्यंजन।

कहते हैं द्वापर युग के उस समय ब्रजभूमि में इंद्र देव की पूजा होती थी। एक बार श्रीकृष्ण ने ब्रजवासियों से कहा कि वर्षा का वास्तविक कारण इंद्र नहीं, बल्कि गोवर्धन पर्वत और प्रकृति की कृपा है। अतः हमें गोवर्धन की पूजा करनी चाहिए। यह सुनकर इंद्र क्रोधित हो गए और उन्होंने ब्रज पर भयंकर वर्षा आरंभ कर दी। तब नन्हें गोपाल ने अपनी करुणा से संपूर्ण ब्रजवासियों की

प्रियंका जैन
9769994439

रक्षा हेतु अपनी कनिष्ठा उंगली पर गोवर्धन पर्वत उठा लिया।

सात दिनों तक लगातार वर्षा होती रही। नंद, यशोदा, गोप-गोपियाँ, गौएँ—सभी उसी पर्वत के नीचे सुरक्षित रहे। परंतु इस दौरान भगवान श्रीकृष्ण ने स्वयं कुछ भी ग्रहण नहीं किया। न अन्न, न जल। उनके लिए हर समय माता यशोदा का हृदय तड़पता रहा। सामान्य दिनों में यशोदा माँ अपने लाडले को दिन में आठ बार भोजन कराती थीं — आठ पहर, आठ बार। जब सात दिन बीत गए तो उन्होंने सोचा — "मेरे लाला ने सात दिनों से कुछ नहीं खाया, मुझे सात दिनों का भोजन एक साथ अर्पण करना चाहिए।"

तभी ब्रज की माताओं ने मिलकर बनाए 56 प्रकार के व्यंजन — 7 दिन × 8 पहर = 56 भोग। यह केवल भोजन नहीं था, यह प्रेम की परिणति थी। भक्ति का स्वाद, समर्पण की सुगंध, और वात्सल्य की मिठास उसमें समाई थी। जब वर्षा थमी, गोवर्धन पर्वत नीचे रखा गया, तब श्रीकृष्ण के समक्ष वह 56 भोग सजाया गया। तभी से यह परंपरा चल पड़ी — गोवर्धन पूजा पर भगवान को छप्पन भोग अर्पित करने की।

इस 56 भोग में हर स्वाद और हर भावना का स्थान है — मीठा, खट्टा, नमकीन, तीखा, कड़वा और कसैला — क्योंकि भक्ति का रस एकरस नहीं होता। इसमें शामिल होते हैं पुए, पूरी, हलवा, खीर, मालपुआ, लड्डू, पेडे, सत्तू, दही, मक्खन, मिश्री, बूरा, मठरी, सेव, नमकपारे, चने, मूंग, चावल, दूध, फल, मिठाई, सब्जियाँ और अनेकों प्रकार के पारंपरिक व्यंजन। कुछ स्थानों पर इसमें 56 नहीं बल्कि 108 या 1008 भोग भी लगाए जाते हैं, जो भक्तों की श्रद्धा और भावनाओं के अनुरूप बढ़ते हैं।

गोवर्धन पूजा का यह उत्सव केवल भोजन का नहीं, कृतज्ञता का उत्सव है — प्रकृति, पर्वत, जल, अन्न और भगवान की कृपा के प्रति आभार का प्रतीक। यह स्मरण कराता है कि जीवन में यदि श्रद्धा हो, तो एक मुट्ठी अन्न भी ब्रह्मरस बन जाता है।

जब भक्त गोवर्धन बनाते हैं, दीप जलाते हैं, और छप्पन भोग सजाते हैं, तब ब्रज की वही कथा पुनः जीवंत हो उठती है — जहाँ एक बालक ने उंगली पर पर्वत उठा लिया था और समस्त सृष्टि को दिखा दिया था कि सच्चा बल किसी बाहुबल में नहीं, बल्कि प्रेम और भक्ति में निहित होता है।

इसीलिए आज भी गोवर्धन पूजा पर छप्पन भोग लगाना केवल परंपरा नहीं, बल्कि उस दिव्य क्षण की स्मृति है जब भगवान स्वयं भूखे रहे ताकि उनके भक्त सुरक्षित रहें। हर वर्ष यह भोग उस अटूट प्रेम का उत्सव बनकर पुनः दोहराया जाता है — जहाँ भक्त और भगवान के बीच कोई भेद नहीं, केवल भक्ति का स्वाद है, और उस स्वाद में समाया है ब्रह्म का आनंद।

न्यूज़ ब्रीफ

फरार नशीली इंजेक्शन सप्लायर गिरफ्तार

सूरजपुर। डीआईजी एवं एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर के नशे के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस नीति के तहत लगातार कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में चौकी बसदेई पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने नशीली इंजेक्शन तस्करी के मामले में फरार चल रहे सप्लायर श्रवण कुमार (22 वर्ष), निवासी ग्राम जमड़ी, को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस से मिली जानकारी अनुसार, 19 अक्टूबर को बसदेई पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए नशीली इंजेक्शन सप्लायर मोहरमनियां, पवन पाटिल, एक अन्य आरोपित राही खान एवं एक विधि विरुद्ध संघर्षरत बालक को पकड़ा था। उस दौरान आरोपितों के कब्जे से कुल 300 पीस नशीली इंजेक्शन जब्त किए गए थे, जिनकी बाजार कीमत लगभग एक लाख 50 हजार रूपए आंकी गई थी। इस मामले में आरोपित श्रवण कुमार फरार चल रहा था। पुलिस ने विवेचना के दौरान प्राप्त सूचना पर दबिश देकर उसे पकड़ा। पूछताछ में उसने अपना जुर्म स्वीकार किया। उसकी निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल भी जब्त की गई है। पुलिस ने आरोपित के विरुद्ध धारा 21(सी) एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए आज मंगलवार को जेल दाखिल किया है।

रोहतास जिले के सात विधानसभा क्षेत्रो में 19 नामांकन खरीज

डेहरी आन सोन। बिहार विधानसभा आम निर्वाचन को लेकर नामांकन पत्रों की आज जांच के बाद रोहतास जिले के सातों विधानसभा क्षेत्रों से कुल 119 उम्मीदवारों ने पर्चा दाखिल किया था। सवीक्षोपरांत 100 उम्मीदवारों के नामांकन पत्र स्वीकृत किए गए, जबकि 19 नामांकन पत्र खारिज हो गए। रोहतास के जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह डीएम ने मीडिया को बताया कि चेनारी विधानसभा से 19 उम्मीदवारों ने नामांकन किया, जिनमें 15 स्वीकृत और 4 अस्वीकृत हुए। वही,सासाराम विधानसभा से 25 उम्मीदवार मैदान में हैं, जिनमें 23 स्वीकृत और 2 अस्वीकृत हुए। उन्होंने बताया कि करगहर विधानसभा से 13 उम्मीदवारों ने नामांकन किया, जिनमें 12 स्वीकृत और 1 अस्वीकृत हुआ। उन्होंने बताया कि दिनारा विधानसभा से 15 नामांकन हुए, जिनमें 14 स्वीकृत और 1 अस्वीकृत हुआ।

हत्या मामले में पांच नामदर्ज सहित 10 पर प्राथमिकी दर्ज

पलामू। जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र के शाहपुर नई मोहल्ला लालगंज में दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या मामले में पांच नामजद सहित 10 पर प्राथमिकी दर्ज की गयी है। आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए कई स्तरों पर छापेमारी तेज की गयी है। उल्लेखनीय है कि रविवार को चैनपुर अस्पताल चौक पठानटोला निवासी हसन अली की शाहपुर नई मोहल्ला लालगंज में ले जाकर दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गयी थी। गोली मारने से पहले आरोपितों ने हसन की तेज धारदार हथियार से गला काटा था। मृतक के पिता इबरार हजाम ने शाहपुर के इकराम कुरैशी, सद्दाम अंसारी, इजहार, महताब कुरैशी और देवा उर्फ सोनू शाह सहित चार पांच अन्य लोगों के विरुद्ध चैनपुर थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी है। थाना प्रभारी श्री राम शर्मा ने मंगलवार को बताया कि मृतक के पिता के आवेदन के आलोक में मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

बिना सीएम फेस के चुनावी दंगल

एनडीए और इंडिया दोनों ने नहीं घोषित किए चेहरे

एजेंसी | पटना

बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे और आखिरी फेज के लिए नॉमिनेशन की प्रक्रिया सोमवार को खत्म हो गई। चुनाव आयोग के मुताबिक, पहले फेज के चुनाव के लिए कुल 1,314 उम्मीदवार मैदान में हैं। 300 से अधिक प्रत्याशियों के पर्चे खारिज हो गए। 61 प्रत्याशियों ने नाम वापस लिए। 243 सदस्यीय विधानसभा की 121 सीटों पर 6 नवंबर और दूसरे फेज की 122 सीटों के लिए 11 नवंबर को मतदान होना है।

मुख्य बातें :

- RJD इस बार भी सबसे ज्यादा सीटों पर लड़ रही है, लेकिन कांग्रेस और वामपंथी दलों के साथ शीट शेयरिंग पर तनातनी दिखी।
- कांग्रेस को पिछली बार मिली 66 में से सिर्फ 19 सीटें मिली थीं। इसलिए इस बार उन्हें 61 पर सीमित कर दिया गया।
- CPI(ML) ने पिछली बार शानदार प्रदर्शन किया (19 में से 12 सीटें), इस बार 20 सीटें मिलीं।
- विकासशील इंसान पार्टी (VIP) जो पिछली बार NDA में थी, इस बार INDIA के साथ है। VIP ने जिन 15 सीटों पर अपने उम्मीदवारों का ऐलान किया है, उनमें से 2 सीटें ऐसी हैं, जिन पर RJD ने भी अपने प्रत्याशी उतारे हैं।

INDIA गठबंधन में खींचतान, RJD ने आखिरी दिन लिस्ट जारी की

दूसरे फेज के आखिरी दिन तक INDIA गठबंधन में फूट, टिकट बंटवारे पर नाराजगी और अंदरूनी बगावत दिखी। RJD ने तो नॉमिनेशन का समय खत्म होने से 7 घंटे पहले, पहली बार 143 उम्मीदवारों की लिस्ट जारी की। इससे पहले उसके प्रत्याशी नॉमिनेशन भरते रहे। 243 सीटों पर 254 प्रत्याशी मैदान में उतार दिए हैं। यह विकासशील इंसान पार्टी (VIP) की वजह से हुआ है। आरजेडी ने 143, कांग्रेस ने 61, सीपीआई (एम) ने 20, सीपीआई ने 9, सीपीएम ने 6 और मुकेश सहनी की पार्टी ने 15 प्रत्याशी हैं।

इस बार 74 पार्टियां मैदान में

बिहार विधानसभा चुनाव में 74 राजनीतिक दल मैदान में हैं। इनमें प्रमुख राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दल शामिल हैं। NDA में BJP, JDU, LJP(R), HAM और RLM शामिल हैं। वहीं, महागठबंधन में RJD, कांग्रेस, माले, CPI, CPI(M), IIP और मुकेश साहनी की विकासशील इंसान पार्टी (VIP) दल हैं। प्रशांत किशोर की पार्टी जन सुराज और आम आदमी पार्टी (AAP) सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। RJD ने 24 और कांग्रेस ने 5 महिला कैंडिडेट्स को टिकट दिया है। जेडीयू और बीजेपी ने इस बार 13-13 महिलाओं को उम्मीदवार बनाया है।

मोतिहारी में राजद प्रत्याशी के घर छापेमारी

एजेंसी | मोतिहारी

बिहार चुनाव के मद्देनज़र मोतिहारी में राजद प्रत्याशी देवा गुप्ता के घर पर पुलिस ने छापा मारा है, यह कार्रवाई भाजपा नेता की हत्या के मामले से जुड़ी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, हत्या के मामले में कुछ सुराग मिलने के बाद यह कदम उठाया गया है। पुलिस ने राजद प्रत्याशी देवा गुप्ता के घर छापेमारी की और राजन हत्याकांड के एक आरोपी सुबोध यादव को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी चिरैया के मोहदीपुर का रहने वाला है और उसके खिलाफ पहले भी दो आपराधिक मामले दर्ज हैं।पुलिस का कहना है कि सुबोध यादव का नाम राजन हत्याकांड में आरोपितों की सूची में शामिल था। इसके अलावा उसके खिलाफ पहले से भी दो आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस के मुताबिक छापेमारी टीम ने देर रात यह कार्रवाई की और मौके से कई अहम दस्तावेज और मोबाइल जब्त किए हैं। फिलहाल आरोपी से पूछताछ जारी है। ताकि यह पता लगाया जा सके कि हत्या की साजिश में उसकी क्या भूमिका है।

एनडीए के बाद महागठबंधन ने भी एक सीट बिना लड़े गंवाई

एजेंसी | पूर्वी चंपारण

बिहार चुनाव से पहले ही एनडीए और महागठबंधन दोनों को एक-एक सीट पर झटका लगा है। पूर्वी चंपारण की सुगौली विधानसभा सीट से मुकेश सहनी की विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के प्रत्याशी और राजद के निवर्तमान विधायक शशि भूषण का नामांकन रद्द कर दिया गया है। नामांकन पत्रों की जांच के दौरान तकनीकी खामियां पाई गईं, जिसके चलते उनका नॉमिनेशन रद्द किया गया।

एक-एक सीट गंवा चुके एनडीए और महागठबंधन

यह दूसरी बार है जब किसी तकनीकी गलती के कारण प्रमुख गठबंधनों को नुकसान उठाना पड़ा है। इससे पहले लोजपा (रामविलास) की सीमा सिंह का मढ़ौरा सीट से नामांकन रद्द हो गया था। अब सुगौली सीट पर शशि भूषण और ओम प्रकाश सहनी दोनों के बाहर होने से एनडीए और महागठबंधन एक-एक सीट बिना लड़े ही गंवा चुके हैं।

2020 में शशि भूषण ने दर्ज की थी जीत

2020 के विधानसभा चुनाव में राजद उम्मीदवार शशि भूषण सिंह ने 65,267 वोट हासिल कर वीआईपी के रामचंद्र सहनी को 3,447 वोटों से हराया था। तब वीआईपी एनडीए का हिस्सा थी। लेकिन इस बार नामांकन रद्द होने से सुगौली का राजनीतिक परिदृश्य पूरी तरह बदल गया है और मुकाबला अब नए सिरे से दिलचस्प मोड़ पर पहुंच गया है।

आरजेडी बागी ओम प्रकाश सहनी का भी नामांकन रद्द

सुगौली सीट से आरजेडी के बागी और निर्दलीय उम्मीदवार ओम प्रकाश सहनी का नामांकन भी खारिज कर दिया गया है। इससे इस सीट पर सियासी समीकरण पूरी तरह बदल गया है। अब मुकाबला जन सुराज पार्टी के अजय झा और एनडीए समर्थित लोजपा (रामविलास) प्रत्याशी राजेश कुमार उर्फ बबलू गुप्ता के बीच सिमट गया है।

बेटे की मौत मामले में पूर्व डीजीपी और मां-पत्नी के खिलाफ केस दर्ज

एजेंसी | सहारनपुर

पंजाब के पूर्व पुलिस महानिदेशक मोहम्मद मुस्तफा और पंजाब की पूर्व मंत्री रजिया सुल्ताना के बेटे अकील अख्तर की संदिग्ध मौत के मामले में नया मोड़ आ गया है। पंचकूला पुलिस ने मोहम्मद मुस्तफा, उनकी पत्नी रजिया सुल्ताना, बेटी और पुत्रवधू समेत परिवार के पांच सदस्यों के खिलाफ हत्या और अपराधिक षड्यंत्र रचने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने अकील के एक पड़ोसी शमसुद्दीन की शिकायत पर यह कार्रवाई की है। जिसने पुलिस कमिश्नर को शिकायत की थी। वहीं, मोहम्मद मुस्तफा ने इन सभी आरोपों को न सिर्फ सिरे से खारिज किया है बल्कि बड़ी साजिश बताई है।

बीएचयू में बिना दर्द, बिना बायोप्सी लिवर की जांच

एजेंसी | वाराणसी

अस्पताल के गैस्ट्रोइंट्रोलॉजी विभाग में अब लिवर और पाचन तंत्र की बीमारियों की जांच एक नए और उन्नत तरीक से होगी। यहां पर 'एम्स लाइक' के तहत जल्द ही 'लाइनर ईयूएस स्कोप इलास्टोग्राफी' मशीन लगाई जाएगी। इस मशीन की खासियत यह है कि यह मरीज के शरीर के अंदरूनी अंगों की जांच बिना दर्द और बिना बायोप्सी के कर सकेगी। इससे लिवर, पैंक्रियाज और पाचन तंत्र से जुड़ी जटिल बीमारियों का पता शुरुआती चरण में ही लगाया जा सकेगा। जिससे मरीजों को गंभीर अवस्था में जाने से बचाया जा सकेगा। यह मशीन एंडोस्कोपिक अल्ट्रासाउंड सिस्टम

का हिस्सा है, जिसमें इलास्टोग्राफी और कलर डॉप्लर जैसे फीचर जुड़े हैं। इलास्टोग्राफी तकनीक से ऊतकों की कठोरता मापी जाती है। इससे यह पता लगाया जा सकता है कि लिवर या अन्य अंगों में फाइब्रोसिस या सिरोसिस जैसी बीमारी विकसित हो रही है या नहीं। पहले यह जांच बायोप्सी के जरिए की जाती थी, जिसमें सुई से ऊतक निकालकर जांच करनी पड़ती थी, जो दर्दनाक और जोखिमभरी प्रक्रिया होती थी।

प्रयागराज में अब माघ मेले की तैयारी

एजेंसी | प्रयागराज

माघ मेला 2026 की तैयारियां अब गति पकड़ने लगी हैं। मंडलायुक्त सौम्या अग्रवाल के निर्देश के बाद लोक निर्माण विभाग ने काली मार्ग, त्रिवेणी मार्ग और महावीर मार्ग पर बनने वाले तीन पांटून पुलों के टेंडर जारी कर दिए हैं। इन पुलों का निर्माण कार्य इसी महीने शुरू किया जाएगा, जिसे 15 नवंबर तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इस बीच प्रयागराज मेला प्राधिकरण ने मेला क्षेत्र की करीब 25 फीसदी जमीन पर लेवलिंग का काम भी शुरू कर दिया है। इस बार माघ मेला तीन जनवरी को पौष पूर्णिमा के स्नान पर्व से शुरू होगा। सामान्यतः मेला तैयारियों का काम 15 अक्टूबर से शुरू

हो जाता है, लेकिन इस बार बाढ़ और जलभराव के कारण काम में देरी हुई। मंडलायुक्त सौम्या अग्रवाल ने हाल ही में अधिकारियों के साथ बैठक कर निर्देश दिया था कि टेंडर प्रक्रिया तुरंत पूरी की जाए ताकि समय की बचत हो और कार्य तय समय पर पूरा किया जा सके। प्रयागराज मेला प्राधिकरण ने सबसे पहले हनुमान मंदिर से अक्षयवट मार्ग, संगम नोज और रामघाट की ओर समतलीकरण का कार्य शुरू किया है। अधिकारियों का कहना है कि छठ पूजा तक क्षेत्र को समतल कर स्थिति सामान्य बना दी जाएगी ताकि पहला पर्व बिना किसी परेशानी के संपन्न हो सके। इसके बाद पांटून पुलों का निर्माण कार्य प्राथमिकता से किया जाएगा, जिसमें सबसे पहले महावीर मार्ग पुल पर काम शुरू होगा। अधिकारियों ने बताया कि त्रिवेणी मार्ग क्षेत्र में गंगा के किनारे जगह कम है, इसलिए वहां का पुल सबसे पहले तैयार किया जाएगा। एसडीएम मेला विवेक शुक्ल ने बताया कि मेला तैयारियों की दैनिक मॉनिटरिंग की जा रही है। सभी विभागों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि दिसंबर तक सभी निर्माण कार्य पूरे कर लिए जाएं ताकि तीन जनवरी से कल्पवासी बिना किसी असुविधा के माघ मेला शुरू कर सकें।

व्यापार जगत

विशेष मुहूर्त ट्रेडिंग सत्र में सेंसेक्स 63 अंक चढ़ा

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मजबूत वैश्विक संकेतों के बीच मंगलवार को विशेष एक घंटे के मुहूर्त ट्रेडिंग सत्र में बेंचमार्क शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी मामूली बढ़त के साथ बंद हुए। इस तरह बाजार के लिए नए संवत वर्ष 2082 की शुरुआत सकारात्मक रही। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 62.97 अंक या 0.07 प्रतिशत बढ़कर 84,426.34 पर बंद हुआ। सांकेतिक कारोबार के दौरान, बेंचमार्क ने 84,665.44 के उच्चतम और 84,286.40 के निम्नतम स्तर को छुआ। एनएसई निफ्टी 25.45 अंक या 0.10 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,868.60 पर बंद हुआ। निफ्टी के 25 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए, जबकि 24 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए और एक शेयर अपरिवर्तित रहा।

पिछले संवत 2081 में सेंसेक्स 4974 और निफ्टी 1637 अंक चढ़ा

स्टॉक एक्सचेंज बीएसई और एनएसई ने नए संवत वर्ष 2082 और नए खातों की शुरुआत के मौके पर मंगलवार को 13.45 बजे से 14.45 बजे तक एक विशेष मुहूर्त ट्रेडिंग सत्र आयोजित किया। सोमवार को समाप्त हुए पिछले संवत 2081 में बीएसई सेंसेक्स 4,974.31 अंक या 6.26 प्रतिशत उछला और निफ्टी 1,637.8 अंक या 6.76 प्रतिशत चढ़ा।

वैश्विक बाजारों में दिखी मजबूती

इस बीच, वैश्विक बाजारों में मजबूती देखी गई। शुरुआती कारोबार में यूरोपीय शेयर बाज़ारों में तेज़ी देखी गई, जबकि एशियाई शेयर बाज़ार बढ़त के साथ बंद हुए। शंघाई का कम्पोजिट बेंचमार्क 1.36 प्रतिशत बढ़ा, हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक 0.77 प्रतिशत चढ़ा, दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.24 प्रतिशत बढ़ा, तथा जापान का बेंचमार्क निक्केई 225 0.15 प्रतिशत बढ़ा।

व्यापारिक इतिहास का सबसे बड़ा त्योहारी कारोबार

एजेंसी | नई दिल्ली

कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) की रिसर्च शाखा 'कैट रिसर्च एंड ट्रेड डेवलपमेंट सोसाइटी' ने 'विस्तृत दीपावली त्योहार बिक्री 2025' रिपोर्ट जारी की है। रिपोर्ट के अनुसार, इस वर्ष दीपावली पर देशभर में कुल बिक्री 6.05 लाख करोड़ रूपए तक पहुंची। इसमें 5.40 लाख करोड़ रूपए का वस्तु व्यापार और 65,000 करोड़ रूपए का सेवा व्यापार शामिल है।

मोदी के 'वोकल फॉर लोकल' अभियान का असर

कैट के राष्ट्रीय महामंत्री और सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'वोकल फॉर लोकल' और 'स्वदेशी दीपावली' अभियान ने उपभोक्ताओं में गहरा प्रभाव डाला है। रिपोर्ट के मुताबिक, 87% उपभोक्ताओं ने भारतीय वस्तुओं को विदेशी उत्पादों पर प्राथमिकता दी, जिससे चीनी सामानों की मांग में भारी गिरावट आई। भारतीय निर्मित वस्तुओं की बिक्री में 25% की वृद्धि दर्ज की गई। खंडेलवाल ने बताया कि पिछले वर्ष की तुलना में दीपावली 2025 का व्यापार 25% अधिक रहा। वर्ष 2024 में कुल बिक्री 4.25 लाख करोड़ थी।

प्रमुख वस्तुओं का कारोबार

कैट अध्यक्ष बीसी भरतिया ने बताया कि दीपावली बिक्री में सबसे अधिक हिस्सेदारी किराना और एफएमसीजी (12%), सोना-चांदी (10%), इलेक्ट्रॉनिक्स (8%), कंज्यूमर ड्यूरेबल्स (7%), रेडीमेड परिधान (7%), और गिफ्ट आइटम (7%) की रही। इसके अलावा होम डेकोर, फर्नीचर, मिठाई, वस्त्र, पूजन सामग्री, फल-मेवे, बेकरी, फुटवियर जैसी श्रेणियों ने भी मिलकर मजबूत योगदान दिया। रिपोर्ट के अनुसार, सेवा क्षेत्र में इस बार 65,000 करोड़ का व्यापार हुआ।

आरबीआई ने अगस्त में बेचे 7.7 अरब डॉलर

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक ने विनिमय दर में उतार-चढ़ाव को रोकने और अमेरिकी मुद्रा मुकाबले रूपए के मूल्य में गिरावट को थामने के लिए अगस्त में 7.7 अरब डॉलर की बिकवाली की। आरबीआई के ताजा बुलेटिन में प्रकाशित डॉलर की बिक्री/खरीद के आंकड़ों के अनुसार, अगस्त में केंद्रीय बैंक की डॉलर की शुद्ध बिक्री 7.69 अरब डॉलर रही। यह पिछले महीने की तुलना में लगभग तीन गुना अधिक है। आंकड़ों से यह भी पता चला कि रिजर्व बैंक ने जुलाई और अगस्त में अमेरिकी डॉलर नहीं खरीदे।

सितंबर में आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर रही तीन फीसदी

एजेंसी | नई दिल्ली

देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ माने जाने वाले आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर सितंबर 2025 में सिर्फ 3% दर्ज की गई, जो पिछले महीने अगस्त के 6.3% से काफी कम है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा मंगलवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, सालाना आधार पर मामूली सुधार के बावजूद मासिक स्तर पर रफ्तार में गिरावट आई है। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) में इन उद्योगों की औसत वृद्धि दर घटकर 2.9% रह गई, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 4.3%

थी। सितंबर में इस्पात, सीमेंट, बिजली और उर्वरक के उत्पादन में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई, जबकि कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस और रिफाइनरी उत्पाद के क्षेत्र में सुस्ती रही। कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, इस्पात, सीमेंट और बिजली ये आठ क्षेत्र देश के औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (IIP) के कुल भार का 40.27% हिस्सा रखते हैं।

दीपावली मुहूर्त ट्रेडिंग पर एनएसई प्रमुख आशीषकुमार चौहान ने निवेशकों को दी शुभकामनाएं

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

दीपावली के शुभ अवसर पर होने वाली मुहूर्त ट्रेडिंग के मौके पर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री आशीषकुमार चौहान ने निवेशकों को संदेश दिया है। उन्होंने कहा, ₹मुहूर्त ट्रेडिंग वह समय है जब हम अपने वित्तीय सफर को दिशा देने वाले मूल्यों, भरोसा, ज्ञान और अनुशासन पर विचार करते हैं। निवेश केवल धन सृजन का माध्यम नहीं है, बल्कि यह भारत की असाधारण आर्थिक विकास यात्रा में सहभागी बनने का अवसर भी है। श्री चौहान ने आगे कहा कि जैसे-जैसे अधिक

लोग पूंजी बाजार में प्रवेश कर रहे हैं, निवेशक जागरूकता और सूचित निर्णय लेना बेहद महत्वपूर्ण हो गया है। यह न केवल निवेशकों के आत्मविश्वास को मजबूत करता है, बल्कि दीर्घकालिक समृद्धि की नींव भी रखता है।उन्होंने कहा, ₹नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पारदर्शिता और समावेशिता के सिद्धांतों पर आधारित एक ऐसा वातावरण बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, जहां हर निवेशक विश्वास और जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ सके। नए आरंभ की इस भावना के साथ हम सभी को ज्ञान से प्रेरित निर्णय और विवेकपूर्ण सफलता की शुभकामनाएं देते हैं। सभी को समृद्ध और वित्तीय रूप से उज्जवल दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (NSE) भारत का पहला इलेक्ट्रॉनिक या स्क्रीन-आधारित ट्रेडिंग सिस्टम लागू करने वाला एक्सचेंज है। इसकी स्थापना 1994 में हुई थी। सेबी के आंकड़ों के अनुसार, 1995 से अब तक एनएसई भारत का सबसे बड़ा स्टॉक एक्सचेंज है, जो इक्विटी शेयरों के कुल और औसत दैनिक कारोबार के मामले में शीर्ष पर रहा है।

अमेजन नदी के किनारे होगा तेल उत्खनन

एजेंसी | ब्राजील

ब्राजील की सरकारी तेल कंपनी पेट्रोब्रास को अमेज़न नदी के मुहाने के पास अन्वेषण के मकसद से ड्रिलिंग की अनुमति मिल गई है। यह फैसला ऐसे समय लिया गया है जब कुछ ही हफ्तों में संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन (COP30) आयोजित होने वाला है। इसमें जीवाश्म ईंधनों के उपयोग में कटौती पर चर्चा होगी। सोमवार को दी गई मंजूरी के मुताबिक ड्रिलिंग एफ़ज़ेडए-एम-059 ब्लॉक में की जाएगी। यह जगह अमापा राज्य के तट से 175 किलोमीटर दूर स्थित है। पेट्रोब्रास के अनुसार, यह ड्रिलिंग कार्य पांच महीने तक चलेगा और इसमें तेल उत्पादन

नहीं होगा। खनन की यह अनुमति ब्राज़ीलियाई पर्यावरण संस्थान (IBAMA) ने दी है, जो पर्यावरण मंत्रालय के अधीन काम करता है। ऊर्जा मंत्री अलेक्ज़ांद्रे सिल्वेरा ने इस निर्णय का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि सरकार पर्यावरणीय जिम्मेदारी के साथ अंतरराष्ट्रीय मानकों पर ड्रिलिंग सुनिश्चित करेगी। गौरतलब है कि विहत जून माह में ब्राजील ने अमेज़न क्षेत्र के पास कई भूमि और अपतटीय तेल ब्लॉकों की नीलामी की थी। तेल ब्लॉक को शेवरॉन, एक्सॉनमोबिल, पेट्रोब्रास और चाइना नेशनल पेट्रोलियम कॉरपोरेशन को आवंटित किए गए थे। पर्यावरण कार्यकर्ताओं और आदिवासी समूहों ने इस परियोजना का विरोध किया है।

फिट पंत संभालेंगे भारत ए की कमान

दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ दो चार दिवसीय टेस्ट मैचों से ऋषभ करेंगे प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी

सुदर्शन को पहली बार उपकप्तान बनाया गया

एजेंसी । नई दिल्ली

ऋषभ पंत पैर में चोट के बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी के लिए तैयार हैं। इस विकेटकीपर बल्लेबाज को दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ भारत ए टीम की कमान सौंपी गई है। दोनों टीमों के बीच दो चार दिवसीय टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है जो 30 अक्तूबर से बेंगलुरु में खेली जाएगी। बीसीसीआई की चयनसमिति ने इसके लिए मंगलवार को टीम घोषित की। साई सुदर्शन टीम के उपकप्तान होंगे। उन्हें पहली बार यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। दोनों मैचों के लिए अलग-अलग टीम है। पंत को जुलाई में इंग्लैंड दौरे के दौरान मैनचेस्टर में चौथे टेस्ट में बल्लेबाजी करते समय क्रिस वोक्स की गेंद पैर में चोट लगी थी। इसके बावजूद वह टूटे पैर से बल्लेबाजी के लिए उतरे और शानदार अर्धशतक जड़ा। इसके बाद वह एशिया कप और हाल ही में वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की घरेलू सीरीज में नहीं खेल पाए थे। पंत को बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में दो चरणों के रिहैब के बाद खेल में वापसी की मंजूरी मिली है। इसका मतलब है कि अब वह 25 अक्तूबर से शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी के दूसरे दौर में दिल्ली के लिए नहीं खेलेंगे। पंत को इन दो मुकाबलों से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 14 नवंबर से कोलकाता में शुरू होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए तैयारी करने का मौका मिलेगा।

राहुल-सिराज दूसरा मैच खेलेंगे

केएल राहुल, विकेटकीपर ध्रुव जुरेल, तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा को भी टीम में शामिल किया गया है। यह सभी खिलाड़ी वेस्टइंडीज के खिलाफ खेली गई सीरीज में भारतीय टीम का हिस्सा थे। यह सभी दूसरे मैच में खेलेंगे। इनके अलावा आकाश दीप भी छह से नौ नवंबर तक होने वाले दूसरे टेस्ट में खेलेंगे। पहले मैच के लिए एन जगदीशन टीम में दूसरे विकेटकीपर होंगे।

नंबर गेम

580 रन बनाए थे पंत ने इंग्लैंड दौरे पर 64.44 की औसत से दो शतकों से

30 अक्तूबर से बेंगलुरु में शुरू होगा पहला टेस्ट मुकाबला

2 नवंबर से बेंगलुरु में ही दूसरा टेस्ट मैच खेला जाएगा

बराड़ और खलील पर निगाह

घरेलू खिलाड़ियों में यह देखना दिलचस्प होगा कि तेज गेंदबाज गुरनूर बराड़ और खलील अहमद कैसा प्रदर्शन करते हैं। इन दोनों को भी सिर्फ दूसरे मैच के लिए टीम में शामिल किया गया है। हर्ष दुबे, मानव सुथार और सरांश जैन को भी रणजी में शानदार प्रदर्शन का इनाम मिला है।

बावुमा खेलेंगे दूसरा मैच

दक्षिण अफ्रीका की ए टीम की कप्तानी बल्लेबाज मार्केस एकरमैन करेंगे। सीनियर टीम के कप्तान तेंबा बावुमा दूसरे मैच में खेलेंगे। वह पिंडली की चोट से उबरने के बाद वापसी कर रहे हैं। दक्षिण अफ्रीका ए टीम 13 से 19 नवंबर तक राजकोट में भारत ए के खिलाफ तीन एकदिवसीय मैच भी खेलेगी। दोनों के बीच दो टेस्ट मैचों के बाद तीन वनडे और पांच टी-20 मैच भी खेले जाएंगे।

पहले मैच के लिए टीम

ऋषभ पंत (कप्तान), आयुष म्हात्रे, एन जगदीशन, साई सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल, रजत पाटीदार, हर्ष दुबे, तनुष कोटियन, मानव सुथार, अंशुल कंबोज, यश ठाकुर, आयुष बडोनी, सारांश जैन।

दूसरे मैच के लिए टीम

ऋषभ पंत (कप्तान), राहुल, जुरेल, सुदर्शन, पडिक्कल, रुतुराज गायकवाड़, दुबे, कोटियन, मानव, खलील अहमद, गुरनूर बराड़, अभिमन्यु ईश्वरन, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप।

बादशाहत साबित करने के लिए भिड़ेंगे ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड

- 89 मुकाबले दोनों टीमों ने अब तक आपस में खेले
- 61 ऑस्ट्रेलिया, 24 इंग्लैंड ने जीते, एक टाई

महिला विश्व कप

इंदौर। महिला क्रिकेट विश्व कप में बुधवार को गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड की टीमें आमने-सामने होंगी। दोनों ही टीमें अब तक टूर्नामेंट में अजेय रही हैं और पहले ही सेमीफाइनल में जगह पक्की कर चुकी हैं। यह मुकाबला शीर्ष स्थान के लिए निर्णायक साबित होगा। दोनों टीमों ने चार-चार मैच जीते हैं, जबकि एक-एक मैच बारिश के कारण धुल गया। अंक तालिका में ऑस्ट्रेलिया 1.818 के बेहतर नेट रन रेट के कारण इंग्लैंड (1.490) से आगे है। इस मैच की विजेता टीम सेमीफाइनल में शीर्ष स्थान से पहुंचेगी।
ऑस्ट्रेलिया ने टूर्नामेंट में अब तक शानदार प्रदर्शन किया है। शुरुआती दो मैचों में बल्लेबाज उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे थे, लेकिन एश्ले गार्डनर और बेथ मूनी ने टीम को जीत दिलाई।

इंग्लैंड के बल्लेबाजों की चुनौती

इंग्लैंड की बल्लेबाजी अभी तक पूरी तरह संतुलित नहीं दिखी है। तेज गेंदबाजों के खिलाफ टीम को दिक्कतों का सामना करना पड़ा है। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया की अनुभवी गेंदबाज मेगन शट इंग्लिश बल्लेबाजों की परीक्षा लेने को तैयार हैं।

घरेलू परिस्थितियों में इंग्लैंड को बढ़त

इंग्लैंड को इंदौर की परिस्थितियों का अनुभव है, क्योंकि हाल ही में उसने यहां भारत को हराया था। टीम की कप्तान हीथर नाइट और ऑलराउंडर नैट साइवर-ब्रंट ने अभी तक अधिकांश रन बनाए हैं, लेकिन अन्य बल्लेबाजों को भी अब जिम्मेदारी निभानी होगी। ऑस्ट्रेलिया की कप्तान एलिसा हीली पिंडली की चोट के कारण इंग्लैंड के खिलाफ मैच से बाहर हो गई हैं। उनकी जगह तहलिया मैक्ग्रा टीम की कमान संभालेंगी।

ऑस्ट्रेलिया में प्रदर्शन तय करेगा रोहित-विराट का विश्व कप खेलना : पोंटिंग

दुबई। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि भारत के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा का ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जारी वनडे सीरीज में प्रदर्शन उनके भविष्य की दिशा तय करेगा। पोंटिंग ने कहा कि यह सीरीज यह बताएगी कि क्या यह स्टार जोड़ी 2027 विश्व कप तक टीम इंडिया के लिए खेलती रहेगी या नहीं। पहले वनडे में दोनों बल्लेबाज पर्थ की उछाल भरी पिच पर तेज गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पाए। अब दूसरा मुकाबला गुरुवार को एडिलेड में खेला जाएगा।

पोंटिंग ने दी सलाह: अल्पकालिक लक्ष्य पर ध्यान दें

रवि शास्त्री के साथ आईसीसी रिव्यू शो पर बातचीत में पोंटिंग ने कहा कि कोहली और रोहित को भविष्य की बजाय वर्तमान पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा, "मुझे यह सुनना पसंद नहीं कि किसी खिलाड़ी ने खेल में सब कुछ हासिल कर लिया है। खिलाड़ियों के पास हमेशा कुछ न कुछ हासिल करने का लक्ष्य होना चाहिए। उन्हें 2027 विश्व कप की बजाय अभी की सीरीज पर ध्यान देना चाहिए।

'विराट अब भी प्रेरणादायी हैं'

पूर्व कप्तान ने कहा कि विराट कोहली शुरुआत से ही प्रेरणादायी खिलाड़ी रहे हैं। उन्होंने जोड़ा कि कोहली इस सीरीज के लिए स्पष्ट लक्ष्य के साथ मैदान पर उतरेंगे और वे भविष्य की बजाय वर्तमान में बेहतर प्रदर्शन पर फोकस कर रहे होंगे।

नकवी मानने को तैयार नहीं, भारत को मिला समर्थन

एशिया कप

नई दिल्ली। एशिया कप ट्रॉफी को लेकर जारी विवाद गहराता जा रहा है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को श्रीलंका और अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड का समर्थन मिलने के बावजूद एशिया क्रिकेट परिषद (एसीसी) के पाकिस्तानी प्रमुख मोहसिन नकवी ट्रॉफी भारत को सौंपने को तैयार नहीं हैं। इसके चलते अभी तक चैंपियन भारतीय टीम को एशिया कप की ट्रॉफी नहीं मिल सकी है। एसीसी के एक सूत्र ने बताया कि बीसीसीआई सचिव जय शाह, एसीसी में भारत के प्रतिनिधि राजीव शुक्ला, और अन्य सदस्य बोर्डों के प्रतिनिधियों ने मिलकर पिछले सप्ताह एसीसी को पत्र लिखा। पत्र में स्पष्ट रूप से कहा गया कि एशिया कप ट्रॉफी भारत को सौंप दी जानी चाहिए ।

नकवी ने रखा अजीब शर्त

सूत्रों के अनुसार, नकवी ने जवाब में कहा कि बीसीसीआई से किसी को दुबई आकर ट्रॉफी लेनी होगी। इस शर्त को बीसीसीआई ने अस्वीकार कर दिया और साफ कहा कि वे व्यक्तिगत रूप से नकवी से ट्रॉफी नहीं लेंगे। इसी कारण मामला अब भी अटका हुआ है और ट्रॉफी एसीसी मुख्यालय में पड़ी है।

रावलपिंडी टेस्ट में साउथ अफ्रीका 148 रन से पीछे

- स्टब्स-जॉर्जी की हाफ सेंचुरी
- पाकिस्तान ने पहली पारी में 333 रन बनाए

रावलपिंडी। रावलपिंडी टेस्ट के दूसरे दिन साउथ अफ्रीका ने 4 विकेट खोकर 185 रन बना लिए हैं। टीम अभी भी पाकिस्तान के स्कोर 333 रन से 148 रन पीछे हैं। प्रोटियाज से ट्रिस्टन स्टब्स (68* रन) और टोनी डी जॉर्जी (55 रन) ने फिफ्टी लगाई। स्टंप्स तक स्टब्स के साथ विकेटकीपर काइल वीरेने 10 रन बनाकर नाबाद लौटे। दूसरे टेस्ट में मुकाबले के पहले दिन पाकिस्तान ने 5 विकेट खोकर 259 रन बनाए थे। टीम ने आज पहले सेशन में 74 रन बनाने में आखिरी 5 विकेट गंवा दिए। साउथ अफ्रीका के केशव महाराज के 7 विकेट की बदौलत पाकिस्तान 333 रन ही बना सकी।

ट्रिस्टन-जॉर्जी की शतकीय साझेदारी

साउथ अफ्रीका की शुरुआत खराब रही। टीम ने 22 रन पर पहला विकेट गंवा दिया। ओपनर रायन रिकेलटन 14 रन पर आउट हुए। शाहीन अफरीदी ने विकेटकीपर मोहम्मद रिजवान के हाथों उन्हें कैच कराया। इसके बाद कप्तान ऐडन मारक्रम ने 4 चौके और एक सिक्स लगाकर 32 रन बनाए।

बॉलीवुड

मैडॉक के हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स में 'सैयारा' फेम अनीत पड्डा की एंट्री

यशराज फिल्म्स की 'सैयारा' में अनीत पड्डा ने लीड रोल अदा किया। इस फिल्म ने उनके करियर को बुलंदी पर पहुंचा दिया है। अब उनकी एंट्री मैडॉक फिल्म्स के हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स में हो गई है। दरअसल, आज मैडॉक की 'थामा' थिएटर्स में रिलीज हो गई है। फिल्म के आखिर में मैडॉक के हॉरर यूनिवर्स की अगली फिल्म 'शक्ति शालिनी' का अनाउंसमेंट वीडियो शेयर किया गया। फिल्म में अनीत पड्डा लीड रोल अदा करेंगी।

मैडॉक फिल्म्स ने 'थामा' की स्क्रीनिंग के दौरान 'शक्ति शालिनी' का आधिकारिक अनाउंसमेंट वीडियो शेयर करते हुए इसकी रिलीज डेट बताई है। साथ ही साफ कर दिया कि फिल्म में 'सैयारा' फेम अनीत पड्डा लीड रोल करेंगी। पहली फिल्म में कियारा आडवाणी यह रोल अदा करने वाली थीं। मगर, अब अनीत की झोली में यह किरदार आ गिरा है। फिल्म 'शक्ति शालिनी' अगले साल सिनेमाघरों में दस्तक देगी। अनाउंसमेंट वीडियो में दी गई जानकारी के मुताबिक यह फिल्म 24 दिसंबर 2026 को रिलीज होगी। साझा किए गए वीडियो में 'या देवी सर्वभूतेषु' मंत्र सुनाई दे रहा है। इसके साथ स्क्रीन पर लिखा है, 'रक्षक, विध्वंसक, सभी की मां।

'दबंग' डायरेक्टर ने फिर साधा सलमान खान पर निशाना

बॉ दबंग के निर्देशक अभिनव कश्यप पिछले काफी समय से सलमान खान के खिलाफ चौंकाने वाले दावे करते आ रहे हैं। 2010 में आई यह फिल्म हिट साबित हुई, लेकिन कश्यप का कहना है कि पर्दे के पीछे सब कुछ ठीक नहीं था। हाल ही में, उन्होंने सेट पर तनावपूर्ण पलों के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने सलमान खान पर कई हैरान करने वाले इल्जाम भी लगाए। बॉलीवुड ठिकाना के साथ बातचीत में कश्यप ने दावा किया कि सलमान ने एक बार फिल्म के एडिटर को किडनैप कर लिया था ताकि प्रोजेक्ट पर पूरा कंट्रोल पा सकें। कश्यप ने कहा 'सलमान ने मेरे एडिटर और एडिटिंग मशीन को किडनैप कर लिया और उसे अपने फार्म हाउस पर ले गए।

सलमान ने दिया कश्यप को जवाब

'बिग बॉस 19' के हालिया एपिसोड में सलमान खान ने कश्यप की पिछली टिप्पणी के बारे में कहा 'मेरे साथ उन्होंने आमिर को भी लपेटे में ले लिया। पिछले वीकेंड के वार पर मैंने ऐसे ही बोला था कि 'काम करो यार। किसी को कोई दिलचस्पी नहीं है।' आज फिर से पूछना चाहता हूं, 'काम मिला क्या भाई?' मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि ये जो नाम लेकर बुराई कर रहे हो, तो क्या ये लोग आपके साथ कभी काम करेंगे? आपके साथ जो लोग जुड़े हैं वह भी काम नहीं करेंगे।'

सलमान ने कश्यप को दी सलाह

सलमान खान ने आगे कहा 'मुझे सिर्फ एक ही चीज बुरी लगी कि आपने खुद को बर्बाद कर लिया। अगर किसी परिवार के पीछे पड़ना है तो खुद के परिवार के पीछे पड़ो। वे आपके बारे में चिंतित हैं। मैं आपको आगे बढ़ते हुए देखना चाहता हूं।'

'स्क्विड गेमः द चैलेंज' सीजन 2' की रिलीज डेट आई सामने

ब्लॉ कबस्टर कोरियन वेब सीरीज 'स्क्विड गेम' के अब तक तीन सीजन आ चुके हैं और तीनों को ही दर्शकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। अब इस सुपरहिट सीरीज पर आधारित रियलिटी शो 'स्क्विड गेमः द चैलेंज 2' आपके मनोरंजन के लिए आ रहा है। इस शो में एक बार फिर 456 खिलाड़ी लगभग 40 करोड़ रुपए के इनाम के लिए मुकाबला करते नजर आएंगे। यानी दर्शकों को फिर से खतरनाक और रोमांच से भरे खूनी खेल का अनुभव मिलने वाला है।
'स्क्विड गेमः द चैलेंज 2' को अगले महीने रिलीज किया जाएगा। निर्माताओं ने इसका शेड्यूल तीन हफ्तों का तय किया है, जिसके तहत एपिसोड 1 से 4 को 4 नवंबर को, एपिसोड 5 से 8 को 11 नवंबर को और अंतिम एपिसोड (9) को 18 नवंबर को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम किया जाएगा। शो का टीज़र पहले ही जारी हो चुका है, जिसने दर्शकों में उत्साह और जिज्ञासा बढ़ा दी है।
इस रियलिटी शो में 'सेलिंग सनसेट' के कई मशहूर प्रतियोगी इस खूनी खेल में हिस्सा लेते नजर आएंगे। इनमें क्रिसहेल स्टॉज, चेल्सी लाजकानी, ब्रे टिएसी, एम्मा हर्नान, रोमेन बोनट, मैरी बोनट, अलाना गोल्ड, अमांजा स्मिथ, सैंड्रा वेरगारा, निकोल यंग और जेसन ओपेनहाइम जैसे नाम शामिल हैं। हालांकि, बाकी प्रतिभागियों के नाम और चेहरे का खुलासा सीरीज की रिलीज के करीब किया जाएगा।

सामंथा ने कथित बॉयफ्रेंड राज के साथ मनाई दिवाली

सा मंथा रुथ प्रभु लाखों दिलों पर राज करती आ रही हैं। हाल ही में दिवाली के अवसर पर सामांथा ने अपनी कुछ तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर किए। सामांथा की इस पोस्ट ने इंटरनेट पर धूम मचा दी। अभिनेत्री ने दिवाली की शुभकामनाएं देते हुए कई तस्वीरें शेयर कीं, लेकिन सबका ध्यान खींचा उनके कथित प्रेमी राज निदिमोरु के साथ उनकी तस्वीर ने। सामंथा रुथ प्रभु ने इस दिवाली पर इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें शेयर कीं। लेकिन उनमें से एक तस्वीर अपने कथित प्रेमी राज निदिमोरु के साथ शेयर की है।

गायक बेनी दयाल जल्द बनेंगे पिता

बॉ लीवुड के मशहूर गायक बेनी दयाल जल्द ही पिता बनने वाले हैं। उन्होंने पत्नी कैथरीन के साथ सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा करते हुए ये खुशखबरी साझा की है। कैथरीन ने मैटरनिटी फोटोशूट कराया है, जिसमें उनके साथ बेनी भी नजर आ रहे हैं। उन्होंने हाथ में सोनोग्राफी रिपोर्ट को पकड़ा हुआ है। इस खुशखबरी के बाहर आते ही लोग उत्साहित हो गए हैं और उन्हें सोशल मीडिया के जरिए बधाई दे रहे हैं। गायक बेनी ने पोस्ट के साथ कैप्शन दिया, 'हमारी नन्ही सी रोशनी आने वाली है बेबी दयाल, हमारी नई किरण जल्द ही आने वाली है।' उनकी पोस्ट पर गायक अरमान मलिक, विशाल ददलानी, दुलकर सलमान और अभिजीत सावंत जैसे सितारों ने बधाई दी है।

भगवान के घर हेराफेरी

एजेंसी । तिरुवनंतपुरम

केरल के प्रसिद्ध कृष्ण मंदिर, गुरुवायूर मंदिर के खजाने में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी का खुलासा हुआ है। राज्य की ऑडिट डिपार्टमेंट ने 2019-20 और 2020-21 की अपनी रिपोर्ट में बताया है कि मंदिर में सोने-चांदी और अन्य कीमती सामानों के मैनेजमेंट में गंभीर अनियमितताएं हुईं हैं और सही प्रक्रियाओं का पालन नहीं किया गया। रिपोर्ट के मुताबिक, मंदिर के अंदर दैनिक अनुष्ठानों में इस्तेमाल होने वाले सोने और चांदी के बर्तनों में बड़े पैमाने पर हेराफेरी हुई। इसका हिसाब रखने वाले डबल-लॉक रजिस्टर की जांच से पता चला कि इस्तेमाल के बाद मंदिर प्रबंधक, गुरुवायूर देवस्वोम को जो सामान लौटाए गए, अक्सर उनका वजन कम होता था। कई बार तो सोने के सामान की जगह चांदी के सामान लौटा दिए गए। रिपोर्ट के मुताबिक, एक सोने के मुकुट की जगह चांदी का मुकुट वापस दिया गया। एक चांदी के बर्तन का वजन दस महीनों में 1.19KG कम हो गया। एक चांदी के दिए का वजन कई सौ ग्राम घट गया। 2.65KG चांदी के बर्तन की जगह सिर्फ 750 ग्राम वजन का बर्तन रख दिया गया। सबसे बड़ी चूक गुरुवायूर देवस्वोम के पुन्नथुर कोट्टा सेंचुरी में हाथी के दांतों के रख-रखाव में हुई। ऑडिट में बताया गया कि पुन्नथुर कोट्टा से जमा किए गए 530KG से ज्यादा वजन के हाथी दांत गायब हैं।

- गुरुवायूर मंदिर में सोने का मुकुट चांदी से बदला
- सिल्वर पॉट का वजन 1.19Kg घटा
- ऑडिट रिपोर्ट में खुलासा

कीमती बीज के 17 बोरे स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी ले गए

रिपोर्ट के मुताबिक, 2019-20 में भक्तों की तरफ से चढ़ाए गए मंजादी कुरु के बीज के 17 बोरे भी गायब हैं। इन्हें मंदिर के पश्चिमी मीनार में रखा गया था। ये बोरे 100 रुपए प्रति किलो की दर से नीलाम किए गए थे, लेकिन खरीदने वाला इन्हें कभी ले ही नहीं गया। बोरों को मंदिर के स्टोर रूम में ही छोड़ दिया गया था। बाद में CCTV फुटेज में दिखा कि स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी बोरों के एक ट्रैक्टर पर लादकर ले गए। अधिकारियों ने दावा किया कि जगह की कमी के कारण बोरे पास के एक गोदाम में ले जाए गए थे। हालांकि, रिकॉर्ड में इस बात की कोई जानकारी नहीं थी कि बोरे कहां गए या उन्हें अगली नीलामी में शामिल किया गया या नहीं।

गुरुवायूर देवस्वोम पर हाथी दांत की जानकारी नहीं देने का आरोप

2019-20 के ऑडिट से पता चलता है कि उस साल मंदिर के हाथियों के दांतों की कटाई (ट्रिमिंग) से 522.86 किलोग्राम हाथी दांत निकला, जिसमें से कोई भी कानून के अनुसार वन विभाग को नहीं सौंपा गया। अप्रैल और नवंबर 2019 के बीच, अलग-अलग वजन के हाथी दांत या तो हटा दिए गए या बिना किसी दस्तावेज के गुरुवायूर देवस्वोम के कब्जे में रहे। यहां तक कि अनिवार्य महाजार (जब्ती ज्ञापन) और हैंडओवर रसीदें भी गायब थीं। ऑडिट में पाया गया कि सहायक वन संरक्षक के लेटर के अनुसार, देवस्वोम को दस दिनों के भीतर अपने पास रखे हाथी दांत और टुकड़े की जानकारी देने का निर्देश दिया गया था, लेकिन बोर्ड ने इसकी कोई जानकारी नहीं दी और न ही हाथी दांत या टुकड़े वन विभाग को सौंपे।

देवस्वोम चैयरमेन बोले- मौजूदा बोर्ड के कार्यकाल से पहले का मामला

गुरुवायूर देवस्वोम के अध्यक्ष वी के विजयन ने ऑडिट रिपोर्ट में मिली गड़बड़ियों पर कहा कि यह मामला मौजूदा बोर्ड के कार्यकाल से पहले का है। उन्होंने कहा- यह मामला वर्तमान बोर्ड के कार्यभार संभालने से पहले का है। यह पहले ही अदालत में जा चुका है, जहां देवस्वोम ने अपना जवाब दाखिल किया है। गुरुवायूर देवस्वोम के अध्यक्ष ने हाथी के दांत गायब होने के दावे पर कहा- 2022 से अब तक, देवस्वोम से जुड़े छह हाथियों की मौत हो चुकी है। उन सभी मामलों में, वन विभाग की मौजूदगी में पोस्टमॉर्टम किए गए थे। हाथी दांत हमें कभी नहीं सौंपा गया। हमें केवल पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट मिलती है। ऑडिट रिपोर्ट में किए गए दावे पहले के हैं।

वैवाहिक विवाद में पति को 'सुप्रीम' फटकार

- अलग रह रही पत्नी को 24 घंटे में सामान लौटाएं : सुको

एजेंसी । नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले में कड़ा रुख अपनाते हुए एक व्यक्ति को अपनी अलग रह रही पत्नी का सारा सामान 24 घंटे के भीतर लौटाने का आदेश दिया है। अदालत ने टिप्पणी की कि यह घृणित है कि पति ने 2022 से अब तक पत्नी को अपने कपड़े और निजी सामान तक लेने नहीं दिया। यह टिप्पणी शुक्रवार को न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और केवी विश्वनाथन की पीठ ने की। यह आदेश उस समय दिया गया जब पति ने अदालत से गुहार लगाई थी कि उसका नाबालिग बेटा दिवाली के दिन घर आकर परिवार के साथ पूजा कर सके। इस याचिका का पत्नी ने कड़ा विरोध किया। पति की मांग पर सुनवाई करते हुए अदालत ने कहा कि बेटा मां और पिता दोनों के साथ पास के मंदिर में जाकर पूजा कर सकता है, और यदि दादा-दादी चाहें तो वे भी शामिल हो सकते हैं। अदालत ने कहा कि रिश्तों में दरार आने के बावजूद न्यूनतम मानवीय मर्यादा रखनी चाहिए।

अदालत की सख्त टिप्पणी

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि शादियां टूट जाती हैं, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि कोई पति अपनी पत्नी को उसके कपड़े और सामान लेने से रोके। यह बेहद शर्मनाक है कि 2022 से अब तक पत्नी को अपने जरूरी सामान तक की अनुमति नहीं दी गई। अदालत ने पति को निर्देश दिया कि वह 24 घंटे के भीतर पत्नी का सारा सामान, कपड़े और निजी वस्तुएं लौटा दे।

पति-पत्नी के बीच विवाद की पृष्ठभूमि

रिकॉर्ड के अनुसार, यह दंपती 2016 में विवाह बंधन में बंधा था। लेकिन कुछ वर्षों बाद रिश्तों में तनाव बढ़ा और 2022 में महिला अपने बेटे के साथ घर छोड़कर अलग रहने लगी। पति एक बीमा कंपनी में कार्यरत है जबकि पत्नी बैंक में नौकरी करती है। दोनों के बीच वैवाहिक विवाद अब कानूनी लड़ाई में बदल चुका है, जिसमें बच्चा सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहा है।

सुप्रीम कोर्ट का मानवीय संदेश

अदालत ने कहा कि पति-पत्नी के बीच मतभेद होना स्वाभाविक है, लेकिन एक-दूसरे की गरिमा का सम्मान करना जरूरी है। न्यायमूर्ति पारदीवाला की पीठ ने कहा कि हम उम्मीद करते हैं कि पति कम से कम पत्नी के प्रति मानवीय व्यवहार दिखाए सामान तुरंत लौटाए। यह कानून नहीं, बल्कि इंसानियत का सवाल है। अदालत ने यह भी संकेत दिया कि ऐसे मामलों में बच्चे के हित सर्वोपरि होने चाहिए।

न्यूज़ ब्रीफ

राष्ट्रपति भवन के पास इमारत में आग

नई दिल्ली। दिल्ली में राष्ट्रपति भवन के गेट नंबर 31 के पास एक इमारत में मंगलवार को आग लग गई। दिल्ली फायर सर्विस के एक अधिकारी ने बताया कि उन्हें दो मंजिला इमारत के ग्राउंड फ्लोर पर आग लगने की सूचना दोपहर 1:51 बजे मिली थी। मौके पर पांच दमकल गाड़ियां भेजी गईं। आग पर 20 मिनट में काबू पा लिया गया। आग नर्मदा अपार्टमेंट के फ्लैट नंबर 19 में लगी थी। आग लगने के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। आग से कोई हताहत नहीं हुआ है, और मामले की जांच जारी है।

लोकपाल खरीदेगा सात लग्जरी बीएमडब्ल्यू कारें, जारी किया टेंडर

नई दिल्ली। देश की सर्वोच्च भ्रष्टाचार रोधी संस्था लोकपाल अब अपनी प्रशासनिक और लॉजिस्टिक व्यवस्था को मजबूत करने जा रही है। इसके तहत लोकपाल कार्यालय ने सात बीएमडब्ल्यू 330 एलआई (लॉन्ग व्हील बेस) कारें खरीदने की प्रक्रिया शुरू की है। इस खरीद के लिए 16 अक्तूबर को सार्वजनिक टेंडर जारी किया गया है। इसमें इच्छुक सप्लायर्स से बोली लगाने को कहा गया है। सूत्रों के मुताबिक, प्रत्येक बीएमडब्ल्यू 330 एलआई की कीमत 60 लाख रुपये से अधिक है। बोली की तकनीकी जांच 7 नवंबर से शुरू होगी। कुल मिलाकर, इन सात कारों की कीमत पांच करोड़ रुपये से ज्यादा बताई जा रही है।

सेना और पुलिस देश की सुरक्षा के स्तंभ : राजनाथ

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि सेना और पुलिस अलग-अलग मोर्चों पर कार्य करते हैं लेकिन उनका मिशन एक ही है- 'राष्ट्र की रक्षा करना। राजनाथ सिंह ने पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय पुलिस स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि अपराध अधिक संगठित, अदृश्य और जटिल हो गया है और इसका उद्देश्य समाज में अराजकता पैदा करना, विश्वास को कमजोर करना तथा राष्ट्रीय स्थिरता को चुनौती देना है। रक्षा मंत्री ने अपराध रोकने के साथ-साथ समाज में विश्वास बनाए रखने के लिए पुलिस बलों की सराहना की। उन्होंने कहा कि अगर आज लोग चैन की नींद सो पा रहे हैं, तो इसका कारण हमारे सतर्क सशस्त्र बलों और सतर्क पुलिस पर उनका भरोसा है।

बेंगलुरु के गड्ढे भरने को एक सप्ताह का अल्टीमेटम

एजेंसी । बेंगलुरु

शहर की सड़कों पर गड्ढों को लेकर बढ़ती आलोचना और विभिन्न कंपनियों के विरोध के बाद कर्नाटक सरकार अब सख्त रुख में आ गई है। मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने मंगलवार को स्पष्ट निर्देश दिया कि बेंगलुरु की सभी सड़कों के गड्ढे एक सप्ताह के भीतर भरे जाने चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि तय समय सीमा में काम पूरा न करने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने यह निर्देश सड़क सुधार कार्यक्रम के दौरान दिए, जहां उन्होंने माना कि लगातार बारिश की वजह से मरम्मत कार्य में देरी हुई है।

'व्हाइट टॉपिंग' सड़कों से मिलेगा स्थायी समाधान

सिद्धरमैया ने बताया कि शहर में कई जगहों पर 'व्हाइट टॉपिंग' यानी मजबूत कंक्रीट की सड़कों का निर्माण चल रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसी सड़कें 25 से 30 साल तक टिकाऊ होती हैं और इनमें बार-बार गड्ढे नहीं बनते। सरकार ने शहर और विधानसभा क्षेत्रों के विकास के लिए 8,000 करोड़ रुपये का बजट भी आवंटित किया है, ताकि अधोसंरचना से जुड़ी समस्याओं का स्थायी समाधान हो सके।

किरण मजूमदार-शॉ ने की मुख्यमंत्री से मुलाकात

इस बीच, फार्मास्युटिकल कंपनी बायोकॉन की प्रमुख किरण मजूमदार-शॉ ने मंगलवार को मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार से मुलाकात की। उन्होंने बेंगलुरु के विकास में सहयोग का आश्वासन दिया। शॉ लंबे समय से सोशल मीडिया पर बेंगलुरु की सड़कों की बदहाल स्थिति और शहर में फैली गंदगी को लेकर सरकार की आलोचना करती रही हैं।

सेना में सशस्त्र झंडा दिवस कोष से मिले 257 करोड़, आर्थिक मदद दोगुनी

नई दिल्ली। पिछले सप्ताह रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारतीय सेनाओं के गैर पेंशन धारकों, पूर्व सैनिकों, उनके आश्रितों, विधवाओं के

बच्चों की शिक्षा से लेकर शादी में दी जाने वाली आर्थिक सहायता राशि में दोगुनी वृद्धि कर उन्हें दिवाली का तोहफा दिया है। इस निर्णय से सरकार पर लगभग 257 करोड़ का खर्च आएगा। यह खर्च 'सशस्त्र झंडा दिवस कोष' से वहन होगा। ये संशोधित दरें 1 नवंबर 2025 से लागू होंगी। दूसरी तरफ पैरामिलिट्री फोर्सेस, यानी केंद्रीय अर्धसैनिक बलों में 'झंडा दिवस कोष' की स्थापना ही नहीं हो सकी है। इसके लिए अलाइंस ऑफ ऑल एक्स पैरामिलिट्री फोर्सेज वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा कई वर्ष से प्रयास किए जा रहे हैं। केंद्र सरकार में विभिन्न स्तरों पर एसोसिएशन द्वारा यह मांग पहुंचाई गई है, लेकिन अभी तक कोई घोषणा नहीं हुई।

ऑपरेशन सिंदूर से अन्याय का बदला लिया : मोदी

एजेंसी । नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दीपावली के अवसर पर देशवासियों को पत्र लिखकर शुभकामनाएं दीं और देश की हालिया उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए मर्यादा का पालन करते हुए अन्याय का बदला लिया और आज देश स्थिरता और संवेदनशीलता के प्रतीक के रूप में दुनिया के सामने खड़ा है। पीएम मोदी ने लिखा कि भगवान राम की मर्यादा और साहस का सजीव उदाहरण भारत ने कुछ महीने पहले ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दिखाया। यह अभियान भारत की न्यायप्रियता और ताकत दोनों का प्रतीक रहा।

नक्सलवाद पर निर्णायक प्रहार

यह दीपावली खास है क्योंकि इस बार देश के कई दूरदराज़ इलाकों में भी दीप जलेंगे वे जिले अब नक्सलवाद और माओवादी आतंकवाद से मुक्त हो चुके हैं। कई लोग हिंसा का रास्ता छोड़कर संविधान और विकास की मुख्यधारा में लौटे हैं, जो राष्ट्र की बड़ी उपलब्धि है।

जीएसटी सुधारों से बचत

पीएम मोदी ने जीएसटी दरों में कमी को सरकार की ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि 'जीएसटी बचत उत्सव' के दौरान नागरिकों ने हजारों करोड़ रुपये बचाए हैं। यह सुधार भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में एक कदम है।

'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' का संदेश

प्रधानमंत्री ने नागरिकों से स्वदेशी अपनाने, सभी भाषाओं का सम्मान करने, स्वास्थ्य पर ध्यान देने, भोजन में तेल का प्रयोग 10% कम करने और योग को जीवन का हिस्सा बनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, "जब एक दीप दूसरे दीप को रौशन करता है, तो उसकी रोशनी कम नहीं होती, बल्कि और बढ़ती है — इसी भावना से हम समाज में सद्भाव और सकारात्मकता फैलाएं।"

सबरीमाला मंदिर प्रकरण

एसआईटी ने केरल हाईकोर्ट में सीलबंद लिफाफे में दाखिल की पहली रिपोर्ट

एजेंसी । कोच्चि

सबरीमाला से सोने की चोरी की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने मंगलवार को केरल हाईकोर्ट में अपनी पहली रिपोर्ट बंद लिफाफे में जमा कर दी। सूत्रों के अनुसार, यह रिपोर्ट न्यायमूर्ति राजा विजयाराघवन और न्यायमूर्ति केवी. जयकुमार की बेंच के सामने इन-कैमरा (खुली सुनवाई के बिना) जमा कराई गई। इस दौरान वकील मौजूद नहीं थे। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि रिपोर्ट में एसआईटी द्वारा की जा रही जांच की वर्तमान स्थिति का विवरण दिया गया है। सबरीमाला मामले में एसआईटी को हाईकोर्ट ने निर्देश दिया था कि वे दो सप्ताह में अपनी जांच की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करें और छह हफ्ते के भीतर पूरी जांच पूरी करें।

कब किया गया एसआईटी का गठन?

बता दें कि एसआईटी का तब गठन किया गया था जब कोर्ट को जानकारी मिली कि सबरीमाला में द्वारपालक (मंदिर के संरक्षक देवता) की मूर्तियों के सोने के लेप वाले ताम्बे के आवरण मरम्मत और नवीनीकरण के लिए हटा दिए गए थे, लेकिन कोर्ट को इसकी जानकारी नहीं दी गई।

मामले में एसआईटी ने दर्ज किए हैं दो केस

इसके बाद सतर्कता विभाग की रिपोर्ट में देवस्वोम बोर्ड के अधिकारियों की लापरवाही सामने आई। इस पर कोर्ट ने एसआईटी को आदेश दिया कि वे मामला दर्ज करें और जांच शुरू करें। जानकारी के मुताबिक, जांच के तहत एसआईटी ने दो मामले दर्ज किए हैं, जिसमें एक द्वारपालक मूर्तियों के प्लेट से और दूसरा श्रीकोविल के दरवाजे के फ्रेम से गायब सोने के संबंध में है।

सद्गुरु से जुड़े फर्जी एआई विज्ञापनों पर रोक लगाने का आदेश

एजेंसी । नई दिल्ली

दिल्ली हाई कोर्ट ने गूगल को निर्देश दिया है कि वह सद्गुरु की एआई से बनाई गई तस्वीरों और झूठी गिरफ्तारी जैसे फर्जी विज्ञापनों पर रोक लगाए। यह आदेश 14 अक्टूबर को जस्टिस मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की एकल पीठ ने दिया। अदालत ने कहा कि गूगल को अपने प्लेटफॉर्म, विशेषकर यूट्यूब पर चल रहे ऐसे भ्रामक डीपफेक विज्ञापनों से निपटने के लिए अपनी तकनीक का इस्तेमाल करना होगा।

ईशा फाउंडेशन ने जताई थी आपत्ति

सद्गुरु और ईशा फाउंडेशन ने अदालत में दलील दी थी कि गूगल उनके नाम, तस्वीर और वीडियो का बार-बार गलत इस्तेमाल रोकने में विफल रहा है। इन विज्ञापनों में सद्गुरु की झूठी गिरफ्तारी और अन्य फर्जी दावे किए जा रहे थे, जिससे जनता को गुमराह किया जा रहा था।

कोर्ट ने कहा — तुरंत रोकें भ्रामक विज्ञापन

जस्टिस अरोड़ा ने स्पष्ट किया कि ऐसे फर्जी विज्ञापनों के प्रसारण पर तुरंत रोक लगनी चाहिए। अदालत ने गूगल से कहा कि यदि किसी तकनीकी या नीतिगत कारण से वह ऐसी सामग्री रोकने में असमर्थ है, तो उसे हलफनामे के जरिए इसका पूरा विवरण अदालत के समक्ष पेश करना होगा। अदालत ने गूगल और ईशा फाउंडेशन को इस मुद्दे पर मिलकर चर्चा करने और एक स्थायी समाधान निकालने का निर्देश भी दिया।

राजदीप सरदेसाई हुए कैंसर के शिकार, सफल रही रोबोटिक सर्जरी

नई दिल्ली। देश के जाने-माने पत्रकार राजदीप सरदेसाई ने अपनी निजी जिंदगी के बारे में खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि 60वां जन्मदिन मनाने के बाद जुलाई में करवाए पहले एक रूटीन चैकअप के दौरान डॉक्टर ने उन्हें प्रोस्टेट कैंसर के बारे में जानकारी दी थी। इसके बाद उन्होंने अपने परिवार और डॉक्टरों की सलाह पर अगस्त में रोबोटिक सर्जरी करवाई और अब वह पूरी तरह से ठीक हैं। इस जटिल बीमारी से ठीक होकर आए राजदीप ने इस दीपावली को अपने लिए बेहद खास बताया और साथ ही एक मैसेज भी दिया।

स्थिति रिपोर्ट सुको ने इसे कोर्ट में आने वालों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन बताया

शौचालयों की स्थिति बदतर, भड़का सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी । नई दिल्ली

देशभर के अदालत परिसरों में शौचालयों की लगातार गंदगी और अस्वच्छता अदालत उपयोगकर्ताओं के मौलिक अधिकारों और गरिमा का उल्लंघन करती है। यह जानकारी अलग-अलग उच्च न्यायालयों की ओर से सुप्रीम कोर्ट में प्रस्तुत की गई स्थिति रिपोर्ट में दी गई। रिपोर्ट में सुप्रीम कोर्ट को बताया गया कि मेट्रो शहरों के उच्च न्यायालयों में भी शौचालयों की खराब स्थिति कोई अलग मामला नहीं है, बल्कि यह प्रशासनिक और वित्तीय असफलता का संकेत है। इसमें पैसे का सही उपयोग नहीं होना, रखरखाव के अनुबंधों को लागू न करना और जवाबदेही की कमी शामिल है।

सुविधाओं की खराब स्थिति गरिमा को पहुंचाती नुकसान

न सुविधाओं की खराब स्थिति ग्रामीण इलाकों में न्यायाधीशों और कर्मचारियों के काम करने की परिस्थितियों, स्वास्थ्य और दक्षता पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है, और न्यायालय की गरिमा को भी नुकसान पहुंचाती है।

सार्वजनिक स्वास्थ्य और स्वच्छता में असफलता

रिपोर्ट के अनुसार, मौजूदा शौचालय और बुनियादी ढांचा आधुनिक और समावेशी सार्वजनिक सुविधा के मानक पूरे नहीं करते। यह सार्वजनिक स्वास्थ्य और स्वच्छता में असफलता का संकेत है। विकलांग लोगों के लिए सुविधाओं की कमी- कई उच्च और जिला न्यायालयों में रैंप, सहारा देने वाली बार और व्हीलचेयर के लिए पर्याप्त जगह नहीं है। यह विकलांग अधिकार अधिनियम के तहत समानता और गैर-भेदभाव के अधिकार का उल्लंघन है। तीसरे लिंग (ट्रांसजेंडर) के लिए अलग या जेंडर न्यूट्रल शौचालयों की कमी मौलिक अधिकार और गरिमा की अनदेखी है। महिला वकीलों और कर्मचारियों के लिए क्रेच या बच्चों की देखभाल की सुविधाओं की कमी उनके पेशेवर अधिकारों में बाधा डालती है और न्यायिक पेशे में लिंग समानता को प्रभावित करती है।